Ranchi ● Friday, 20 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 242 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper: epaper.thephotonnews.com





धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती पर

श्रीमती द्रीपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

न हार्दिक अभिनंदन और जोहार

20 सितम्बर, 2024





सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

Friday, 20 September 2024

BRIEF NEWS

स्पेल बी राइटिंग प्रतियोगिता में शिफा ने राष्ट्रीय स्तर पर पाया सातवां स्थान



कॉलोनी के पशु चिकित्सक डॉ. तनवीर और तरन्तुम परवीन की पुत्री शिफा तनवीर ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शारदा ग्लोबल स्कूल कांके की सांतवी कक्षा की छात्रा शिफा ने स्पेल बी राइटिंग 2023-2024 प्रतियोगिता में झारखंड स्तर पर दूसरी व राष्ट्रीय स्तर पर सांतवी रैंक हासिल की है। शिफा को स्कूल में सम्मानित किए जाने के बाद उसे व उसके माता-पिता को गोवा में आंमत्रित कर रविंद्र भवन में सम्मानित किया गया है। शिफा ने अपनी सफलता पिता,दादी,नाना और शिक्षकों को दिया है।

आईएएस पूजा सिंघल की जमानत पर हुई सुनवाई

RANCHI: निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ेंमें गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस हुई। इसके बाद ईडी ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। पूजा सिंघल की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा और अधिवक्ता स्नेह सिंह ने बहस की। उल्लेखनीय है कि ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार किया था। दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी।

दुष्कर्म के दोषी विनोद को दस वर्ष कारावास की सजा

RANCHI: रांची सिविल कोर्ट दुष्कर्म के दोषी विनोद राम को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त (7) विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने गुरुवार को सजा का एलान किया। दुष्कर्म की घटना को रांची के एयरपोर्ट थाना अंतर्गत ओबरिया नायक टोला में अंजाम दिया गया था। घटना 26 मार्च 2020 की है।पीड़िता के द्वारा दर्ज करवाई गई प्राथमिकी के मुताबिक, जब वह धान कुटाने मील गई थी, तब विनोद उसे बहला-फुलसा कर तालाब के किनारे लीची बागान की ओर ले गया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया। उसके बाद विनोद ने पीड़िता को धमकी दी कि घटना की जानकारी किसी को देने

ट्रिपल मर्डर मामला : सुनवाई के बाद निचली अदालत के फैसले में बदलाव हाईकोर्ट ने 25 साल की कैद में बदली बर्खास्त जवान की फांसी की सजा

रामगढ़ जिले के बरकाकाना रेलवे कॉलोनी में घुसकर 17 अगस्त 2019 की रात परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या व दो लोगों को जख्मी करने मामले में फांसी की सजा पाए अभियुक्त पवन कुमार सिंह की सजा के खिलाफ क्रिमिनल अपील एवं राज्य सरकार द्वारा फांसी को कंफर्म करने वाली याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने पवन कुमार सिंह की फांसी की सजा के खिलाफ अपील को खारिज कर दिया।

साथ ही खंडपीठ ने रामगढ़ की निचली अदालत द्वारा उसे सुनाए गए फांसी की सजा को 25 साल की कैद में बदल दिया। खंडपीठ ने सरकार की ओर से पवन कुमार सिंह को फांसी की सजा को कंफर्म करने की याचिका को भी खारिज कर दिया। दरअसल, सीआरपीएफ जवान पवन कुमार सिंह को



टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की बेल पर झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इससे पहले नौ अगस्त को रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट ने आलमगीर आलम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पूर्व मंत्री ने अपनी बेल के लिए झारखंड हाई कोर्ट में गुहार लगायी है। आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था। ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से भी पूछताछ कर चुकी है। इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

न्यायाधीश की अदालत ने 16 मार्च 2023 को सजा सुनाई थी। अदालत ने पवन को धारा 302 के तहत फंसी की सजा सनाई थी। इसके साथ ही धारा 307 में 10 साल कारावास और आर्म्स एक्ट में सात साल कारावास की सजा के साथ दोनों ही धाराओं में 10-10 हजार का जुमार्ना भी लगाया। मामले में पर्व डीएसपी

संजीव कुमार बेसरा और मेदांता के चिकित्सक के अलावे सभी आरपीएफ जवान रहे पवन कुमार सिंह रोज रेल कर्मी अशोक राम के घर से दुध लेने आता था। 17 अगस्त 2019 की रात 9:00 बजे वह अशोक राम के घर दुध लेने गया था। विवाद

दुष्कर्म के दोषी को १० साल की सजा व जुर्माना

अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने गुरुवार को दुष्कर्म मामले में

साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ने की राशि नहीं देने पर एक साल की सजा काटनी होगी। बिनोद एयरपोर्ट थाना के ओबरिया नायक टोला निवासी है। घटना का २६ मार्च २०२० को अंजाम दिया गया था। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार जब युवती धान कुटाने मील गई थी। युवक ने उसे बहुला-फूलसा कर उसे तालाब के किनारे लीची बागान की ओर ले गया और उसके साथ शारीरिक

संबंध बनाया। धमकी दी कि घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से हाथ धोना पड़ेगा। पीड़िता के पिता को इस घटना की जानकारी तीन दिन बाद 29 मार्च को हुई। इसके बाद पीड़िता ने यवक के खिलाफ एयरपोर्ट थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित युवक को 31 मार्च 2020 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में सुनवाई के दौरान पीड़िता सहित सात गवाहों को अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किया गया था।

परिवार के पांच लोगों को गोली मार दी थी। गोली लगने से अशोक राम व उसकी पत्नी लीला देवी और उनकी गर्भवती पुत्री वर्षा देवी उर्फ मीना देवी की मौत हो गयी थी। जबिक बेटी सुमन देवी तथा पुत्र संजय राम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना को अंजाम देने के बाद जवान आरपीएफ के बैरक में

उसको गिरफ्तार किया था।

दोषी करार बिनोद राम को 10 साल की कठोर कारावास की सँजा सनाई है।



गया था। हत्या में इस्तेमाल की गयी सरकारी पिस्टल को वह बैरक में ही छोड़कर भाग गया था. पलिस ने घटना में प्रयक्त उसके हथियार को बरामद कर लिया था। घटना के बाद से वह फरार था। 21 मार्च 2020 को पुलिस ने उसे बिहार के भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र से

आज शताब्दी समारोह को करेंगी संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पहुंचीं रांची, हुआ भव्य स्वागत



एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का स्वागत करते राज्यपाल व सीएम।

PHOTON NEWS RANCHI:

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु झारखंड पहुंच गई हैं। वायुसेना के विशेष विमान से महामहिम द्रौपदी मुर्मु रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उतरीं। गुरुवार की शाम को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एयरपोर्ट पर फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रांची एयरपोर्ट से सीधे राजभवन के लिए रवाना हो गईं। रात में वह राजभवन में विश्राम करेंगी। शुक्रवार को नामकुम स्थित आईसीएआर-एनआईएसए का शताब्दी समारोह मनाया जाएगा।

इसी समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति दो दिवसीय झारखंड यात्रा महामहिम द्रौपदी अलावा दो केंद्रीय मंत्री भी शामिल होंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भी इस समारोह में शामिल होंगे। इनके अलावा झारखंड के राज्यपाल संतोष कमार गंगवार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस शताब्दी समारोह

पांच दिवसीय डोरंडा उर्स शुरू

गुरुवार को डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा का पांच दिवसीय २१७वां उर्स शुरू हो गया। सुबह में परचम कुशाई हुई। पहले दिन मजार पर चादर चढ़ाने के लिए सदर अयूब गद्दी के घर से जुलूस निकला। इसमें समाजसेवी व कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनय सिन्हा दरगाह पहुंचे और चादरपोशी की।

संतान की लंबी उम्र के लिए 25 को माताएं रखेंगी जीवित्पुत्रिका व्रत

RANCHI: जितिया यानी जीवित्पुत्रिका व्रत मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के कुछ हिस्सों में मनाया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से माताएं अपने पुत्रों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए करती हैं। क्षेत्रीय परंपराओं के अनुसार इस व्रत में महिलाएं 24 घंटे या कई बार उससे भी ज्यादा समय के लिए महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं। जितिया व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त 25 सितंबर की सुबह 10:41 बजे से लेकर दोपहर 12:12 मिनट तक है। 24 सितंबर को जितिया व्रत का नहाय खाय रखा जाएगा। वहीं 25 सितंबर को माताएं निर्जला व्रत रखेंगी। इसके बाद 26 को व्रत का पारण

कडरू तालाब में डूबा छात्र, परिजनों ने किया हंगामा, जाम रखी सड़क

राजधानी के अरगोडा थाना क्षेत्र में हज हाउस के पास तालाब में एक बच्चे के डूबने के बाद आक्रोशित भीड़ ने जमकर हंगामा किया, सड़क जाम कर दिया और अरगोड़ा-कडरू मार्ग को तीन घंटे तक जाम रखा। हटिया डीएसपी पीके मिश्रा की पहल के बाद जाम हटाया गया। रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में हज हाउस के पास तालाब में 14 वर्षीय बच्चा डूब गया। बच्चे के डूबने के बाद स्थानीय लोगों ने हाउस के पास सड़क जाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अगर प्रशासन समय पर मदद करता तो बच्चे को डूबने से बचाया जा सकता था। स्थानीय लोगों से मिली

इरसाद नहाने के लिए तालाब में गया था, इसी दौरान वह पानी में डूब गया। सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर इरसाद को बचाने का प्रयास किया लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। परिजनों ने प्रशासन से मदद मांगी थी लेकिन उन्हें मदद नहीं मिल सकी। इरशाद के डबने

परिजनों के साथ हज हाउस के पास सड़क जाम कर दिया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा तैयारियों में जुटी पुलिस को तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी संख्या में हुज हाउस पहुंचना पड़ा। हटिया डीएसपी पीके मिश्रा, अरगोडा थानेदार आलोक सिंह और रैफ के दर्जनों जवान मौके पर पहुंचे और भीड़ को समझाने का प्रयास किया।

आखिर बार-बार क्यों मिलते हैं अमत शाह के कार्यक्रम् को काग्रेस व पाक के सुर : बाबूलाल

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर राहुल गांधी से पूछा है कि आखिर बार-बार कांग्रेस और पाकिस्तान के सुर क्यों मिलते हैं, क्या एक ही टूलिकट के माध्यम से कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान की सरकार काम कर रही है। देश की जनता आपके नापाक मंसबे अच्छी तरह से समझती है। ट्वीट में आगे लिखा है। कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 ए फिर से लागू करने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही जेकेएनसी ने भी अपने घोषणा पत्र में इन देशविरोधी मांगों को शामिल किया है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रहते



दनिया की कोई भी ताकत जम्म कश्मीर में धारा 370 की वापसी करा सकती। मरांडी ने झामुमो-कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा है कि जनविरोधी सरकार ने जनता को खून के आंसू रोने पर मजबूर कर दिया है। दलाल-माफिया, भ्रष्ट अधिकारियों और बांग्लादेशी घुसपैठियों के तुष्टिकरण में लीन परिवारवादी ताकतों के साथ मिलकर हमारी रोटी-बेटी-माटी की लूट मचा रहे हैं।

लेकर एयरपोर्ट व होटल रेडिसन ब्लू नो फ्लाइंग जोन घोषित

RANCHI : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का राज्य में प्रस्तावित कार्यक्रम है। इसको लेकर राजधानी रांची के कई इलाकों को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। अनुमंडल दण्डाधिकारी सदर, रांची द्वारा इस संबंध में गुरुवार को निषेधाज्ञा जारी कर दी गई है। इसके मद्देनजर गुरुवार सुबह 5 बजे से 20 सितंबर की रात 11 बजे तक बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, हिन् चौक, राजेन्द्र चौक, सुजाता चौक से होटल रेडिसन ब्लू के 200 मीटर की परिधि को नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। उक्त क्षेत्र में ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून पूर्णतः वर्जित रहेंगे। प्रदेश भाजपा के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 सितंबर को भोगनाडीह आएंगे।

को खत्म करने की चाल :

वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मोदी कैबिनेट की मंजूरी के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी गुरुवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा, एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव लोकतंत्र की मूल भावना पर कुठाराघात है।

यह हमारे संघीय ढांचे को कमजोर करने और राज्यों की स्वायत्तता को नष्ट करने का एक षडयंत्र है। इस प्रस्ताव से लोगों की आवाज दबाई जाएगी और उनके मतदान के अधिकार का अपमान होगा। डिमोनेटाइजेशन की जन-विरोधी एवं असफल नीति की ही यह कदम डी-



डेमोक्रेटाइजेशन की तरफ धकेलने का प्रयास है। हम इस अलोकतांत्रिक कदम का पुरजोर विरोध करते हैं। एक अन्य पोस्ट में हेमंत सोरेन ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन क्षेत्रीय मुद्दों को खत्म करने की भाजपा की चाल

है। यह देश के संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था पर भी कुठाराघात है। झामुमो इसे हरगिज बर्दाश्त नहीं करेगा। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ह्यवन नेशन वन इलेक्शन पर कोविंद समिति की सिफारिशों को मंजरी दे दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक समिति ने 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। समिति का गठन दो सितंबर 2023 को किया गया था। समिति ने 191 दिन तक राजनीतिक दलों तथा विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा के बाद 18,626 पन्नों की



गुरुवार को झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय विद्युत ने कर्मियों के साथ कांके सीआईपी मैदान में बैठक की। मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य के विद्युत कर्मियों की मांगों को लेकर 23 सितंबर को प्रोजेक्ट भवन का घेराव किया जाएगा। अब विभाग और सरकार से आर-पार की लड़ाई होगी। इस आंदोलन में हरेक विधुतकर्मी की सहभागिता उनका भविष्य तय करेगी। सभी कर्मी एकजुट होकर उस दिन

ताकि ऊर्जा निगम से लेकर सरकार तक को मालूम हो कि किसके बलबूते विद्युत सप्लाई की व्यवस्था चल रही है। श्रमिक संघ की मांगों के बारे में अजय राय ने बताया कि आउटसोर्स व्यवस्था खत्म हो, उर्जा निगम पुरानी व्यवस्था लागु करे, नियमित नियुक्ति में प्राथमिकता मिले,10 वर्ष से ऊपर सेवा देने वाले कर्मियों की नियमित नियुक्ति हो। सभी सप्लाई एवं ट्रांसिमशन जोन में हुए

लोगों ने की मुलाकात

राज्यपाल से इस्कॉन

एनएसयूआई संस्था के



RANCHI: गुरुवार राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से इस्कॉन,भारतीय मजदर संघ और एनएसयूआई सहित अन्य संस्था के लोगों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। इसी क्रम में सबसे पहले राज्यपाल से इस्कॉन के निदेशक भूपति गोविंद दास के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भेंट की। इसी प्रकार राज्यपाल से भारतीय मजदुर संघ के प्रदेश महासचिव राजीव रंजन सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। राज्यपाल से एनएसयूआई का कार्यकारी प्रमुख के नेतृत्व में अमन अहमद के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की। इसके अलावा राज्यपाल से झारखंड कुर्मी महासभा के केंद्रीय सचिव गोरखनाथ चौधरी नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की।

पुलिसकर्मियों को अब एक करोड़ का मुफ्त एक्सीडेंटल क्लेम

पर उसे जान से मार देगा।

झारखंड पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मियों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से एक्सीडेंटल क्लेम मिलेगा। गुरुवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में स्टेट बैंक और झारखंड पुलिस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। पुलिस सेवा के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना में मौत होने पर आश्रितों को इसका लाभ मिलेगा।

नक्सल अभियान हो या फिर सड़क दुर्घटना दोनों मामले में ही एसबीआई की तरफ से एक्सीडेंटल क्लेम का लाभ पुलिसकर्मियों को मिलेगा। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड पुलिस के



स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रितों को मिलेगा इसका लाम

अधिकारियों और जवानों को व्यक्तिगत दुघर्टना मृत्यु बीमा 01 करोड़, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर 01 करोड़, स्थायी आंशिक

विकलांगता पर- 80 लाख तक,

वायुयान दुघर्टना पर- 01 करोड़ 60 लाख रुपया, नक्सल हिंसा/ उग्रवादियों एवं अपराधकमिर्यों द्वारा घात लगाकर किये गये हमलों में शहीदों के आश्रित को

मिलेगा रूपे प्लेटिनम कार्ड

एमओयू के प्रावधानों के तहत भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सभी पुलिस कमिर्यों को रूपे प्लेटिनम कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके तहत दुर्घटना आदि में मौत होने पर-10 लाख रुपया का अतिरिक्त बीमा कवर उपलब्ध होगा यह सभी विशेष बीमा सुविधाएं भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा पुलिस सैलरी पैकेज के तहत खाता धारक को निशुल्क उपलब्ध करायी जायेगी, साथ ही पुलिस कर्मियों के परिवार के चार सदस्यों को नि:शुल्क खाता, चेक बुक, एटीएम कार्ड एवं उन चारों वयस्क सदस्यों का 05-05 लाख रुपए, कुल 20 लाख रुपये के बीमा का प्रावधान किया गया है।

अतिरिक्त 10 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है साथ ही 10 लाख तक ऋण माफी की सुविधा दी जा रही है। पहली बार झारखंड पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक के बीच सामान्य मृत्यु पर भी 10 लाख व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने पर आश्रित बच्चों के उच्चतर शिक्षा के लिये बीमा राशि-10 लाख तथा अविवाहित

बच्चियों के विवाह हेतु भी बीमा राशि अधिकतम-10 लाख दिये जाने का प्रावधान है। साथ ही स्वैच्छिक मेडिकल सुपर टॉप-अप सुविधा जिसमें परिवार के चार सदस्यों के लिये सिर्फ -2495 रुपये में 30 लाख रुपये तथा -1995 रुपये में 15 लाख रुपये का एक और वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

23 सितंबर को प्रोजेक्ट भवन का घेराव करेंगे विद्युत कर्मी

एरियर घोटाले की जांच हो।

Declaration I. Md. Nashim Ahmad. S/o-

Mohammad Mushtaque, R/o- Karbala Tank Road, Ansar Nagar, Ranchi, Jharkhand, declare that in the school of my daughter Saniya Parween her Date of Birth has been written as 14.10.2005, her correct Date of Birth is 13.10.2005.

तरफ मान लेते हैं, सदैव

: 83,267.35

: 25,438.50

6,995

96.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

फैलाना) के तहत केस दर्ज किया गया

है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि

मैं अपने बयान पर माफी नहीं मागूंगा,

बल्कि संसद में भी बोलूंगा कि गांधी

में अपनी कई पीढ़ियां खोई हैं।

परिवार ने पंजाब जलाया। हमने पंजाब

दरअसल, बिट्टू ने 15 सितंबर को कहा

था कि राहुल गांधी देश के नंबर-1

आतंकवादी हैं। उनको पकड़ने वाले

को इनाम दिया जाना चाहिए, क्योंकि

मेडिकल काउंसिल ने संदीप

का रजिस्ट्रेशन किया कैंसिल

KOLKATA: गुरुवार को पश्चिम

(डब्ल्यूबीएमसी) ने सरकारी आरजी

संदीप घोष का पंजींकरण कैंसिल कर

दिया। घोष आरजी कर अस्पताल में

महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ

कथित दुष्कर्में के बाद हुई हत्या के

मामलें में इस समय सीबीआई की

घोष का लाइसेंस बंगाल चिकित्सा

हिरासत में हैं। अधिकारी ने बताया कि

अधिनियम १९१४ के विभिन्न प्रावधानों

के तहत रद्द किया गया। नोटिफिकेशन

में स्टेट मेडिकल काउंसिल ने कहा कि

नोटिस का संदीप ने उचित जवाब नहीं

पंजीकृत डॉक्टरों के रजिस्टर से हटा

RAMPUR: उत्तर प्रदेश के रामपुर में पटरी पर लोहे का खंभा रखकर

संदीप को 6 सितंबर को कारण

दिया। इसके चलते उनका नाम

नैनी दुन एक्सप्रेस को

नैनी दून एक्सप्रेस (12091) को

पलटानें की साजिश हुई। लेकिन

लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक

लगाकर ट्रेन रोक दी। यह ट्रेन उत्तराखंड के काठगोदाम से देहरादन

के बीच चलती है। घटना बुधवार रात

करीब 11 बजे की है। सूचना मिलने

पर जीआरपी और पुलिस प्रशासन ने

मौके पर पहुंचकर खंभे को ट्रैक से

हटवाया। इस दौरान ट्रेन करीब 20

मिनट तक खड़ी रही। रामपुर एसपी

विद्या सागर मिश्र ने बताया कि खंभे

पड़ताल शुरू कर दी गई है।

को कब्जे में लिया गया है। रात से ही

जीआरपी तीन संदिग्धों को हिरासत में

लेकर पूछताछ कर रही है। आसपास

के लोगों ने बताया कि रेलवे लाइन पर

करीब की बस्ती के कुछ युवक नशा

करते हैं। आस–पास के इलाकों में

कि इनमें शामिल लोगों की ही यह

हरकत है।

आए दिन चोरियां भी होती हैं। शक है

पलटाने की साजिश

बताओ नोटिस भेजा गया था। उस

कर अस्पताल के पूर्व प्रधानाचार्य

बंगाल चिकित्सा परिषद

वे देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

Ananya Panday's Call Me Bae...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 20 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 242 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

गढ़वा में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में लोगों से किया संवाद

वोट चोरी करने वालों को बांधकर खदेड़ दे झारखंड की जनता : हेमंत

BRIEF NEWS

राहुल को आतंकी कहने गुरुवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गढ़वा में 'आपकी पर बिद्रू पर एफआईआर योजना, आपकी सरकार, आपके NEW DELHI : राहुल गांधी के द्वार' कार्यक्रम में बड़ी जनसभा को खिलाफ विवादित टिप्पणी करने पर संबोधित किया। कहा कि झारखंड केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के के 24 में से 23 जिले दूसरी जगहों खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। के सीमावर्ती इलाकों से सटे हए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक हैं। अगले दो-तीन महीने में पदाधिकारी ने इसकी शिकायत की थी। बिट्टू पर भारतीय न्याय संहिता की झारखंड में चुनाव होने वाले हैं। धारा ३५३(२) (झूढी जानकारी या इस चुनाव में बाहरी लोग वोटों की अफवाह फैलाना), १९२ (दंगा चोरी करते दिखेंगे, अगर ऐसे 'वोट भड़काने की कोशिश) और 196 (धर्म चोर' दिखें तो उन्हें बांधकर और जाति के आधार पर नफरत झारखंड के जनता खदेडे।

गिद्धों की नजर से झारखंड को

हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रधानमंत्री के अलावा पांच पूर्व मुख्यमंत्री भी उनके खिलाफ साजिश में शामिल हैं। सीएम ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करने वाले बताएं कि अडानी की बिजली कहां जाती है। अगले दो-तीन महीने में झारखंड में चुनाव होने वाले हैं। कहा- बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करने वाले बताएं कि कहां जाती है अडानी की बिजली महिलाओं को जन्म से लेकर मृत्यु तक मदद



जात-पांत की बात करने वालों को भेजा जाएगा वापस

को मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। झारखंड

हेमंत सोरेन ने मंच से किसी का नाम लिए बगैर विपक्ष पर हमला बोला। कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करने वाले किसानों का कर्ज माफ नहीं कर सकते, महिलाओं को देने के लिए कुछ नहीं है। जात-पांत की बात करने वालों को वापस भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की बेटियों

झारखंड पर गिद्धों की नजर पड़

चुकी है, अगले दो दिनों में यह

की सरकार मुख्यालय से नहीं, बल्कि गांव के दरवाजे से चल रही है। वह खंद राज्य-दर-राज्य और गांव-गांव जाकर देख रहे हैं कि सरकार ईमानदारी से काम कर रही है या नहीं। कई ऐसे सुदूर गांव हैं, जहां लोगों ने प्रखंड कार्यालय के साथ-

इसका शोषण किया है। जमावड़ा शुरू हो जाएगा। ये लोग तोड़ देंगे। एमपी, छत्तीसगढ़, पैसे के दम पर पार्टी-समाज को

सखी बहनों को फिर करने का काम किया। सहायक पुलिसकर्मियों की भी सेवा बढ़ाने का काम किया गया। भाजपा के लोग जरूरत के समय आपके सामने हाथ फैलाने आते हैं और साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी और जब उनका काम परा हो जाता है तो अंचलाधिकारी को भी नहीं देखा है। दूध से मक्खी की तरह ये लोग गरीब-अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गरबा को फेंक देते हैं। यही इनका गया है कि सडक हो या न हो, गांवों में काम है। आने वाली यह लडाई अमीर जाएं और ग्रामीणों की समस्याओं का और गरीब के बीच में होने जा रही है। समाधान करें। कहने को झारखंड यह लोग पैसे से परिवार, पार्टी और सबसे अमीर राज्य है, लेकिन सभी ने समाज भी तोडने का काम करेंगे।

समाज को तोड़ने की कोशिश

इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

हेमंत ने कहा कि झारखंड सरकार

महिलाओं को जन्म से लेकर मृत्यु तक

सहायता देगी। उनका लक्ष्य हर परिवार

को प्रति वर्ष एक लाख रुपये तक की

सहायता प्रदान करना है। डबल इंजन

की सरकार ने पहले पोषण सखी को

बहाल कर दिया, फिर उन्हें सड़क पर

छोड़ दिया। हमने उन हजारों पोषण

आतिशी के साथ नई कैबिनेट की शपथ कल

NEW DELHI : दिल्ली की मुख्यमंत्री चुनी गईं आतिशी 21 सितंबर को पद की शपथ लेंगी। आतिशी अपनी कैबिनेट के साथ शपथ लेंगी। कैबिनेट में मुकेश अहलावत नया चेहरा होंगे। आप ने बताया कि मुकेश सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। अहलावत दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट से विधायक हैं। वे आम आदमी पार्टी (आप) का दलित चेहरा हैं। दिल्ली सरकार की कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत सात सदस्य हैं। नए मुख्यमंत्री और नए सदस्यों का कार्यकाल छोटा होगा, क्योंकि मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 तक है। कैबिनेट में गोपाल राय कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हसैन मंत्री पद पर बरकरार रहेंगे। सातवें सदस्य के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। अरविंद दल की बैठक में आतिशी के नाम का

प्रस्ताव रखा था।

पत्नी व बच्ची के मर्डर केस में फांसी की सजा के दोषी को हाईकोर्ट ने किया बरी

E-Paper : epaper.thephotonnews.com



अभियुक्त को रिहा करते चौपारण थाना क्षेत्र के निवासी हुए कोर्ट ने स्वीकार की आनंद कुमार दांगी को फांसी की सजा सनाए जाने को कंफर्म उसकी अपील करने को लेकर राज्य सरकार की सितंबर 2023 में याचिका एवं सजा के खिलाफ आनंद कमार दांगी की अपील पर आनंद कुमार दांगी को झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुनाई गई थी सजा सनाया। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने पत्नी एवं बच्ची की हत्या के • 2018 में अपनी पत्नी मामले में फांसी की सजा पाए की धारदार हथियार से अभियुक्त आनंद कुमार दांगी को साक्षय के अभाव में रिहा कर दिया। खंडपीठ ने प्रार्थी की अपील को स्वीकार कर लिया। सितंबर 2023 में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-6 ने आनंद कुमार दांगी को फांसी की सजा

गरुवार को हजारीबाग जिले के

सुनाई थी। आरोप है कि आनंद

दांगी ने वर्ष 2018 में अपनी पत्नी

की धारदार हथियार से हत्या कर

दी थी। इतना ही नहीं उसने घर में

सो रही डेढ़ साल की बच्ची को

भी कुएं में फेंक दिया था।

अभियुक्त ने हत्या से ठीक पहले

पत्नी के साथ शारीरिक संबंध भी

बनाया था। जांच में पाया गया कि

उसकी पत्नी गर्भवती थी।

हजारीबाग की निचली अदालत

ने आनंद कुमार दांगी को

कर दी थी हत्या • घर में सो रही डेढ साल

की बच्ची को भी फेंक दिया था कुएं में

फांसी की सजा सुनाई थी। धारा 315 के तहत उसे 10 साल का कारावास और 5 हजार रुपये जुमार्ना की सजा भी सुनाई गई थी। पुलिस ने वर्ष 2018 में मृतिका अंगिरा कुमारी के पिता प्रीतम दांगी के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ चौपारण थाना में कांड संख्या 312/ 2018 दर्ज किया था। बताया जाता है कि अंगिरा कुमारी की शादी आनंद कुमार दांगी के साथ साल 2014 में हुई थी।

आईपीसी की धारा 302 के तहत ट्रक पर खलासी का काम करता था आरोपी

दोनों की एक बच्ची थी, जो वारदात के वक्त डेढ़ साल की थी। यही नहीं, अंगिरा छह माह की गर्भवती भी थी। पुलिस ने छानबीन में पाया कि आनंद कुमार दांगी का किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध था। इस वजह से वह पत्नी और बच्ची को रास्ते से हटाना चाहता था। आरोपी ट्रक पर खलासी का काम करता था। आनंद कुमार ने अपनी पत्नी को एक कुएं के पास बुलाकर उसके साथ शारीरिक

संबंध भी बनाए। इसके बाद उसकी हत्या धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। उसने पत्नी की लाश को कुएं में फेंक दिया था। जब उसकी बेटी वहां पहुंची तो आनंद ने उसे भी मार डाला और लाश कुएं में डाल कर मौके से फरार हो गया था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल आत गवाहों का बयान कोर्ट दर्ज कराए गए थे। पुलिस ने हथियार भी जब्त किए थे।

पीएम नरेंद्र मोदी बोले- कांग्रेस-एनसी के घोषणापत्र से उत्साहित हुआ पाकिस्तान

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में दो चुनावी सभाओं को किया संबोधित

AGENCY SRINAGAR:

गरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में दो चुनावी जनसभाएं की। उन्होंने कटरा में कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को लेकर पाकिस्तान में बहुत उत्साह है। वहां इन दोनों पार्टियों की बल्ले-बल्ले हो रही है। इनके घोषणापत्र से पड़ोसी देश बहुत उत्साहित है। पीएम ने कहा कि ये सब मिलकर जम्म-कश्मीर में आतंक फैलाना चाहते हैं. लेकिन कोई भी ताकत 370 वापस नहीं ला सकती।



लोगों से अपील- 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में पीएम ने कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा

करेगी। इसलिए मेरी आपसे अपील है रिकॉर्ड टूटने चाहिए।' इसके पहले 14 सितंबर को पीएम मोदी ने नेशनल

कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को लेकर कहा, 'इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है।

• ये फिर फैलाना चाहते हैं

आतंक, लेकिन 370

वापस नहीं ला सकती

• जोर देकर कहा- जम्मू-

कश्मीर को दोबारा पूर्ण

राज्य का दिलाएंगे दर्जा

कोई भी ताकत

रांची पुलिस ने दोनों को बिहार से दबोचा

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में दो अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजएट) पेपर लीक मामले में पुलिस ने बिहार के दानापुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम वीरेंद्र कुमार शर्मा और शंकेश हैं। रांची से दानापुर पहुंची पुलिस की स्पेशल टीम ने बिहार पुलिस के सहयोग से इन दोनों को शनिचरा स्थान में छापेमारी करके गिरफ्तार किया है।



रांची पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पछताछ की जाएगी। इस मामले में जुलाई महीने में बिहार के आरा से अमन सिंह नामक शख्स को गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्न मामले में भारत सरकार को भेजा समन

NEW DELHI: अमेरिका के एक कोर्ट ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंतसिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में भारत सरकार के एनएसए अजीत डोभाल, पूर्व रॉ चीफ सामंत गोयल, रॉ एजेंट विक्रम यादव और बिजनेसमेन निखिल गुप्ता के लिए कहा है। पन्नू ने अमेरिका की एक जिला अदालत अपनी हत्या की था। पिछले साल अमेरिका ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस

को समन भेजा है। इस समन में भारत का नाम भी शामिल है। अमेरिकी कोर्ट ने 21 दिन में इस समन का जवाब देने साजिश को लेकर मुकदमा दर्ज कराया साजिश को नाकाम कर दिया गया। चल रहा है। घटना की सूचना

हजारीबाग की घटना, जमकर हुआ पथराव, एक दर्जन से अधिक जख्मी

मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प

PHOTON NEWS HAZARIBAGH बुधवार की देर रात में जिले के बड़कागांव प्रखंड में राणा मोहल्ला से विश्वकर्मा पूजा के बाद लोग मूर्ति विसर्जन करने जा रहे थे। इसी दौरान उनका दूसरे समुदाय के लोगों के साथ विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। दोनों समुदायों के बीच जमकर पथराव हुआ। जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज स्थानीय सरकारी और निजी अस्पताल में

• प्रशासन ने संभाला मोर्चा बातचीत से सुलझाएं मसला • सीनियर पुलिस अधिकारी खुद घटनास्थल पर कर रहे कैंप

मिलते ही प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की है। प्रशासन की ओर से बताया गया

कि स्थिति को देखते हुए देर रात से ही परे इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। पलिस उन लोगों की भी तलाश कर रही है जो संदिग्ध हैं। देर रात से ही पूरे बड़कागांव

पूरे इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की कर दी गई है तैनाती

इलाके में पुलिस गश्त भी तेज कर दी गई है। बडकागांव का यह इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। वरीय अधिकारी खुद घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं।

फिर दहला लेबनान, इस बार सोलर एनर्जी सिस्टम में ब्लास्ट, अब तक 32 लोगों की मौत, 3500 से अधिक जख्मी

धमाकों के बाद मोबाइल फोन छूने में लग रहा डर

लेबनान में पेजर, वॉकी-टॉकी के बाद अब सोलर

धमाकों के तीन पैटर्न में 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जबिक 3500 से ज्यादा घायल हैं। इन धमाँकों के बाद लोग मोबाइल फोन छूने से डर रहे हैं। वहीं हिजबुल्लाह ने अपने लड़ाकों को हिदायत दी है कि वे अपने फोन की बैटरी निकालकर फेंक दें। बता दें कि लेबनान में ईरान के समर्थन वाले हिजबुल्लाह संगठन के लड़ाके इजरायली हैकिंग से बचने के लिए मोबाइल फोन की जगह पेजर और वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते हैं। राजधानी बेरूत में बड़ी संख्या में घरों पर सोलर सिस्टम लगे हुए हैं। हिजबुल्लाह ने इन हमलों का आरोप इजरायल पर लगाया है। बेरूत एयरपोर्ट पर वॉकी-टॉकी और पेजर्स ले जाने पर बैन लेबनान की राजधानी बेरूत में रफीक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स के वॉकी–टॉकी

और पेजर्स ले जाने पर बैन लगा दिया गया है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने ये आदेश जारी किया है।

एनर्जी सिस्टम में धमाके हुए हैं। पिछले 2 दिन में

हिजबुल्लाह ने अपने लड़ाकों को दी हिदायत, फोन की बैटरी निकालकर फेंक दें



मिसाडल अटैक में ५ डजरायली सैनिक घायल

अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में दो मिसाइलें दागीं। इसमें ८ इजरायली सैनिक घायल हो गए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर है। लेबनान में हमलों के बीच इजरायल ने

अपने कई सैनिकों को गाजा से नॉर्दर्न बॉर्डर शिफ्ट किया है। इजरायल के नॉर्दर्न कमांड के मेजर-जनरल ओरी गोर्डिन ने कहा, हमारा मिशन साफ है। हम सुरक्षा की स्थिति को बदलने के लिए तैयार हैं।

ईरान ने इजरायल को दी पलटवार की धमकी, इनके राजदूत भी हुए हैं घायल

ईरान ने कहा है कि वह लेबनान में घायल हुए राजदूत मोजतबा अमानी का बदला लेगा। ईरानी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि उसके पास इस तरह के अपराधों का जवाब देने के लिए जरूरी कदम उटाने का अधिकार है। लेबनान में मंगलवार को हुए पेजर धमाके में ईरान के राजदूत घायल हो गए थे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बुधवार को व्हाइट हाउस में कहा कि लेबनान में पेजर और वॉकी टॉकी ब्लास्ट में अमेरिका शामिल नहीं है। बुधवार को इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट से 48 घंटों में तीसरी बार बात की। ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में तनाव को कम करने में जुटा हुआ है। अलजजीरा के अनुसार, जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी ने कहा कि इजरायल पुरे मिडिल ईस्ट को जंग में धकेलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजरायल पर लगाम लगार्ने और उसपर प्रतिबंध लगाने की अपील की।

भाजपा के हरियाणा चुनाव संकल्प पत्र में 20 वादे

ROHTAK : गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी दी गई है। महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने का वादा किया है। यह राशि कांग्रेस के कल जारी घोषणा पत्र से 100 रुपए ज्यादा है। इसमें 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने जैसी 20 बातें हैं। रोहतक में संकल्प पत्र जारी करते हुए नड्डा ने कहा कि अस्पतालों में डायलिसिस फ्री होगा और चिरायु आयुष्मान योजना में १० लाख तक इलाज मुफ्त हो सकेगा। नड़ ?डा ने कहा कि भाजपा ने 20 संकल्प रखे हैं। हरियाणा के विकास को नॉन स्टॉप रखने के लिए सिग्नल आपको डाउन करना है। वह किसका करना है, ये आपको तय करना है। इस प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के अलावा बड़े नेता मौजूद थे।

हसन महमूद को ४ विकेट, भारत ३३९/६

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन अश्विन ने जड़ दिया शतक

AGENCY CHENNAI: गुरुवार से चेन्नई में शुरू हुए पहले

टेस्ट मैच के पहले दिन भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट खोकर 339 रन बना लिए। टीम ने एक समय 144 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन यहां से रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 195 रन की पार्टनरशिप कर दी। अश्विन ने होम ग्राउंड पर सेंचुरी लगाई, जबकि जडेजा 86 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यशस्वी जायसवाल ने 56, ऋषभ पंत ने 39 और केएल राहुल ने 16 रन बनाए। रोहित शर्मा और विराट 6-6 रन बनाकर आउट हुए, वहीं शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल



सके। बांग्लादेश से हसन महमूद ने 4 विकेट लिए। 1-1 सफलता मेहदी हसन मिराज और नाहिद राणा को मिली। दुसरे दिन का शनिवार को सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा। रविचंद्रन अश्विन 102 रन बनाकर नाबाद लौटे।

नक्सलियों ने सारंडा में किया आईईडी ब्लास्ट

सर्च ऑपरेशन के दौरान छोटानागरा जंगल में हुआ विस्फोट, घायल जवान को एयरलिफ्ट कर भेजा रांची

इन नक्सलियों के खिलाफ

नक्सली नेता मिसिर बेसरा, मोछू,

अनल, अनमोल, अशिवन, पिंटू

लोहरा, चंदन लोहार, अमित

हांसदा उर्फ अपटन समेत अन्य

के सारंडा और कोल्हान जंगल में

होने की खबर पर सारंडा जंगल

की घेराबंदी कर दी गयी है।

जवानों ने सारंडा में छोटानागरा

थाना क्षेत्र के छोटानागरा,

कोलाइबुरु, हतनाबुरु, मांगपोंगा,

उसरुईया, बालिबा, कुदलीबाद,

होलोंगउली, थोलकोबाद तथा

जराईकेला थाना क्षेत्र के

तिरिलपोसी, दीघा, सागजुडी

आदि इलाकों के जंगल और

पहाड़ को घेर दिया है। सूचना है

होलोंगउली, बाब्रडेरा आदि क्षेत्र

के जंगलों में छिपे हैं। बता दें कि

नक्सिलयों के खिलाफ सुरक्षाबल

लगातार अभियान चला रहे हैं।

इस अभियान में कई नक्सली मारे

गए, वहीं कई गिरफ्तार भी

बालिबा,

नक्सली

चल रहा अभियान

PANDEY@CHAIBASA

पश्चिमी सिंहभूम जिले के अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र सारंडा जंगल के जराईकेला और छोटानागरा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सिलयों ने आईईडी ब्लास्ट किया है, जिसकी चपेट में आकर कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया है। घटना सुबह करीब 7.20 बजे की बताई जा रही है। यह घटना छोटानागरा थाना क्षेत्र के बाबूडेरा में घटी है। जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना के बाद घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रांची ले जाने की तैयारी की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र के बीहड़ जंगल में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के दौरान नक्सली भी सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के

प्रदर्शन करते पथ विक्रेता

JAMSHEDPUR : शहर व देश

समेत पूरे एशिया स्थायी ऊर्जा का

उपयोग कर कोयले को पूरी तरह

से समाप्त कर जलवायु परिवर्तन

एवं पर्यावरणीय खतरे को रोकने

के लिए नेशनल हॉकर फेडरेशन

की ओर से गुरुवार को प्रदर्शन

किया गया। फेडरेशन के सचिव

उत्तम चक्रवर्ती के नेतृत्व में मानगो,

डिमना रोड, ओल्ड पुरुलिया रोड,

एनएच-33, साकची, भुइयांडीह,

काशीडीह, बमार्माइंस आदि जगहों

सड़क दुर्घटना में

दो युवक की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम

जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में

मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो

जाने के कारण दो यवक की मौत

हो गई। घटना के बाद पुलिस ने

गुरुवार सुबह दोनों शव बरामद

कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा

सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, जिला

मुख्यालय स्थित चाईबासा

मुफस्सिल थाना के गितिलिपी गांव

निवासी जीत मोहन गोप और

उसके दोस्त गोइलकेरा निवासी

प्रधान बोइपाई एक मोटरसाइकिल

में बुधवार को फुटबॉल मैच देखने

वापस आने के दौरान शाम को

कुदाहातु पुल के पास

मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गए,

जिससे दोनों गिर पड़े। गंभीर रूप

से जख्मी दोनों रात भर घटनास्थल

पर ही पड़े रहे। समय पर इलाज

नहीं होने के कारण दोनों की मौत

के लिए कुमारडुंगी गए थे।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित

हो रहे पथ विक्रेता : फेडरेशन



घायल जवान को हेलीकॉप्टर से ले जाने की तैयारी करते सहकर्मी • फोटोन न्यूज

कर रखा है। इसी बम की चपेट में आकर गुरुवार सुबह कोबरा-209 बटालियन का जवान आर सुगुमार घायल हो गया है। घायल जवान को घटनास्थल से एयरलिफ्ट कर रांची ले जाया गया। मालूम हो कि पश्चिम सिंहभम के सारंडा. कोल्हान और पोड़ाहाट के जंगलों में कई बड़े नक्सली के छिपे होने की सूचना पुलिस को है। इसे लेकर इन जंगलों में सुरक्षाबल के जवान लगातार नक्सल विरोधी

• फोटोन न्यूज

परसुडीह के हनुमान और शिव

मंदिर में चोरी करने वाले धराए

में यह अभियान चलाया गया।

इसमें करीब 500 से अधिक पथ

विक्रेता एवं समाजसेवी शामिल

हुए। चक्रवर्ती ने बताया कि यह

अभियान 13 सितंबर से 20

सितंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा

कि जलवायु परिर्वतन का सीधा

असर पथ विक्रेताओं पर पड़ता है।

क्योंकि वे हर मौसम में खुले

आकाश के नीचे रहकर अपनी

जीविका चलाते हैं। इनका दुखड़ा

JAMSHEDPUR : परसुडीह

थाना अंतर्गत झारखंड बस्ती

स्थित हनुमान एवं शिव मंदिर में

चोरी के मामले में पुलिस ने दो

आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में कृष्णा

पात्रो और शिबू दास उर्फ शकरू

उर्फ कृष्णा शामिल है। दोनों

परसुडीह के ग्वालापट्टी के रहने

वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के

पास से चोरी किए गए दो

दानपेटी, 1368 रुपये और एक

चोरी की बाइक भी बरामद की

है। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर

तौकीर आलम ने बताया कि 16-

17 सितंबर की रात दोनों मंदिर

का ताला तोड़ दानपेटी चोरी की

गई थी। चोर दानपेटी लेकर चले

गए थे। इस संबंध में मंदिर की

देखभाल कर ने वाले मोनी बेहरा

ने परसुडीह थाना में प्राथमिकी

दर्ज कराई थी। जांच के दौरान

में शांति कायम कर क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने की बड़ी जिम्मेदारी सुरक्षाबलों के कंधों पर है, जिसको लेकर चल रहे नक्सल विरोधी अभियान पर नक्सली दस्ते लगातार हमला कर रहे हैं। इससे कई जवान अब तक जख्मी हो चुके हैं। पिछले महीने भी कोबरा बटालियन-209 का एक एसआई जितेंद्र दानी आईईडी बम ब्लास्ट में घायल हो गया था। पुलिस के लिए इलाके को नक्सल मुक्त करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

युवक का ससुराल में फंदे

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र में एक युवक का शव उसके ही ससुराल में फंदे पर लटका हुआ मिला। परिजनों के मुताबिक, पत्नी के साथ मामूली विवाद के बाद युवक ने फांसी लगा ली। घटना के बाद पीड़ित परिवार द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, मंझारी थाना क्षेत्र के खेडिया टांगर गांव निवासी जमबीरा पूर्ति अपने ससुराल चाईबासा मुफस्सिल थाना अंतर्गत तेलाइसुद गांव आया था। बुधवार की रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। घटना के बाद दोनों सो गए। युवक ने देर रात अपने ससुराल के आंगन में लगी इमली के पेड़ में रस्सी बांध कर फांसी के फंदे से लटक गया,

पर लटका मिला शव

जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ससुराल के लोगों से अलग-

घटना की जानकारी देते डीएसपी

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार

कर लिया। आरोपियों के पास से

पुलिस ने एक चोरी की बाइक भी

बरामद की है, जो राजू बेसरा की

है। राजु ने बाइक चोरी की

शिकायत थाने में दर्ज करा रखी

थी। डीएसपी ने बताया कि कृष्णा

पात्रो पूर्व में भी सुंदरनगर,

परसुडीह और सीतारामडेरा थाना

से चोरी के मामले में जेल जा

चुका है। फिलहाल आरोपियों

को न्यायिक हिरासत में भेज

प्रदर्शन में शामिल सेविकाओं ने

केयू : एलएलबी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित मेरिट पर होगा एडमिशन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में एडमिशन के लिए कोल्हान यूनिवर्सिटी की ओर से 28 जुलाई को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। परीक्षा में 271 परीक्षार्थियों के प्राप्तांक उल्लेखित हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय की ओर से कॉलेज प्रशासन को रिजल्ट के आधार पर मेधा सूची तैयार कर एडमिशन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। बताया गया है कि एलएलबी प्रवेश परीक्षा-2024 में शामिल हुए परीक्षार्थी सत्र 2023-2026 में एडमिशन के लिए कॉलेज पहुंच कर जानकारी ले सकते हैं। कॉलेज में नोटिस बोर्ड अथवा कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट www.jclc.co.in पर भी एडिमशन

से संबंधित विस्तृत जानकारी है।

भाकपा-माओवादी मना रहे २०वीं वर्षगांठ, किरीबुरू में लगाए पोस्टर

CHAIBASA: नक्सली संगठन भाकपा-माओवादी के सदस्यों ने किरीबुरू में पोस्टरबाजी की है, जिसमें संगठन की 20वीं वर्षगांठ 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक क्रांतिकारी जोश और उल्लास के साथ मनाने की अपील की गई है। पलिस ने गरुवार सबह इन पोस्टरों को जब्त कर लिया। पोस्टरों में वर्ग

वर्ग संघर्ष एवं खपामार युद्ध को तेज व व्यापक करें!

संघर्ष और छापामार युद्ध तेज करने की बात कही गई है। पोस्टर पर संगठन के पूर्वी रीजनल ब्यूरो, भाकपा (माओवादी) का नाम लिखा हुआ था। सूत्रों के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरू थाना क्षेत्र के माइंस के शटल गेट और अन्य जगहों पर ये पोस्टर मिले हैं। किरीबुरू डीएसपी अजय केरकेट्टा ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस इसकी जांच कर रही है कि पोस्टर किसने लगाए हैं। हाल ही में भाकपा-माओवादी के पूर्वी रीजनल ब्यूरो के प्रवक्ता संकेत ने एक प्रेस बयान में संगठन की 20वीं वर्षगांठ मनाने की घोषणा की थी। इसमें केंद्र सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कगार' को नाकाम करने के लिए जनयुद्ध तेज करने का भी ऐलान किया गया था। संकेत ने बताया कि 20 वर्षों के क्रांतिकारी संघर्ष के दौरान संगठन ने कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं, और यह संघर्ष अब एक यद्ध का रूप ले चका है। इस घटना के बाद पश्चिमी सिंहभम जिले की पुलिस सतर्क हो गई है और इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है कि किसने पोस्टर लगाए और नक्सली संगठन की गतिविधियों को कैसे नियंत्रित किया जा सके।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका ने डीसी ऑफिस पर किया प्रदर्शन

सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, 1 अक्टूबर से बेमियादी हड़ताल की दी चेतावनी

PHOTON NEWS JSR:

शहर में आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका ने गुरुवार को साकची के आमबगान मैदान से जुलूस निकाल कर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में सैकड़ों सेविका-सहायिका ने भाग लिया, जो अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें सरकार से मानदेय की राशि में वृद्धि करने की मांग प्रमुख है। सेविका-सहायिका का कहना है कि उन्हें सरकार द्वारा न्यूनतम मानदेय मिलना चाहिए, जो उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों के अनुरूप हो।



यह भी स्पष्ट किया कि यदि सरकार उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा नहीं करती है, तो वे 1 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जाएंगी। प्रदर्शन के दौरान सेविकाओं ने कड़े शब्दों में सरकार से अपनी मांगों को पूरा

करने की अपील की और चेतावनी दी कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगी। एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में परे जिले से आंगनबाडी

विस चुनाव में उम्मीदवारी के लिए कांग्रेस ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक

CHAIBASA : कांग्रेस के प्रदेश **● पर्यवेक्षकों को 21** अध्यक्ष केशव महतो कमलेश द्वारा विधानसभा चुनाव के लिए प्रखंड कमेटी द्वारा 21 सितंबर तक नामों की अनुशंसा प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है। इसे लेकर जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने प.सिंहभूम जिला में प्रखंडवार पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं, जिनमें (बंदगांव) मांगु हो, (चक्रधरपुर) रमेश (सोनुवा) राजेंद्र पुरती, (गोईलकेरा) आतिश गागराई, (मनोहपुर) राजेश चौरसिया, (आनंदपुर) आतेन (गुदड़ी) लियोनार्ड बोदरा, (नोवामुंडी) मो.आबिद हुसैन, (जगन्नाथपुर) यशवीर बिरुवा, (मझगांव) पुरेंद्र हेम्ब्रम, (कुमारडुंगी) रविंद्र बिरुवा, (तांतनगर) कैरा बिरुवा, (मंझारी) बालेमा कुई, (हाटगम्हरिया) रितेश तामसोय, (सदर चाईबासा)

सितंबर तक उम्मीदवारी का आवेदन जमा लेने का दिया गया निर्देश

राजकुमार रजक, (झींकपानी) जानवी कुदादा, (टोन्टो) शंकर बिरुली, (खूंटपानी) अशोक बारिक, (चाईबासा नगर) मोहन सिंह हेम्ब्रम व (चक्रधरपुर नगर) संजीव सिंहदेव शामिल हैं। सभी पर्यवेक्षकों को प्रखंड अध्यक्षों से संवाद तथा समन्वय स्थापित कर अपनी उपस्थिति में प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्देशित प्रक्रिया के तहत दावेदारी प्रक्रिया को निष्पादित करने के लिए कहा गया है। पर्वेक्षकों की सूची प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, संगठन प्रभारी बिजय खां तथा विधायक सोनाराम सिंकू को भी प्रेषित की गई है।

छात्राओं का कहना था कि परीक्षा

समाचार सार

डॉ. सज्जन को मिलेगा श्रेष्ठ हिंदी शिक्षक सम्मान

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन की कार्यकारिणी ने वर्ष 2024 के 'श्रेष्ठ हिंदी शिक्षक सम्मान' के लिए

डॉ. अरुण सज्जन को चुना है। बिष्टुपुर स्थित 🗍 लोयोला हाई स्कूल के सेवानिवृत्त हिंदी अध्यापक एवं साहित्यकार डॉ. सज्जन को यह सम्मान 22 सितंबर को हिंदी शिक्षक कार्यशाला में प्रदान किया जाएगा। उन्हें सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र, श्रीफल, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह एवं 11 हजार रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।



डॉ. राहुल को मिला राष्ट्रीय आयुष गौरव अवार्ड

CHAIBASA: चाईबासा के टोन्टो प्रखंड में पदस्थापित चिकित्सक डॉ. राहुल चक्रवर्ती को राष्ट्रीय आयुष गौरव अवार्ड मिला है। उन्होंने यह सम्मान मसूरी,



वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ग्लोबल आयुष सिमट-2024 में ग्रहण किया। इस दौरान करीब 100 आयुष चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

सरायकेला से निकला 'स्किल ऑन व्हील्स'

SARAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिला मुख्यालय से गुरुवार को निकला, जो सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण कर

कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करेगा। इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री व रांची के सांसद

संजय सेठ, सिंहभूम सांसद जोबा मांझी, खरसावां के विधायक दशरथ गागराई व उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने समाहरणालय परिसर से इस जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

तालाब में इबकर मुखिया के पति की मौत

CHAKRADHARPUR : पश्चिम सिंहभूम के कराइकेला थाना क्षेत्र में डोमरा तालाब में डूबने से

सतजमदा की मुखिया सुमि केराई के पति अनिल केराई की मौत हो गई। मृतक टाटा स्टील का पूर्व कर्मचारी थे। वह वीआरएस लेकर गांव में रह रहे थे। स्थानीय मछुआरों

की मदद से उनके शव को तालाब से निकाला गया। घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुक्केबाजी में गोल्ड लाने वाली प्राची सम्मानित

JAMSHEDPUR : शहर की प्राची सिंह ने रांची में सीआईएससीः नेशनल गेम्स एंड स्पोर्ट्स-2024 द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल किया।

शास्त्रीनगर निवासी पूर्व सैनिक राजकुमार सिंह की पुत्री व नरभेराम स्कूल की



12वीं की छात्रा प्राची को क्षत्रिय करणी सेना परिवार ने क्षत्रिय गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

भाजयुमो के शिविर में 193 यूनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में संचालित सेवा पखवाड़ा के

अंतर्गत भाजयुमो, जमशेदपुर महानगर की ओर से गुरुवार धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 193 यूनिट रक्त संग्रह



हुआ। मोर्चा के जिलाध्यक्ष नीतीश कशवाहा के नेतत्व में लगे शिविर पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक मेनका सरदार, भाजपा के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, अभय सिंह, रामबाबू तिवारी व दिनेश कुमार भी उपस्थित हुए।

निक्को पार्क के कर्मियों को 22 हजार रुपये बोनस JAMSHEDPUR: निक्को-जुबिली पार्क का बोनस समझौता गुरुवार

को हुआ, जिसके अंतर्गत सभी कर्मचारियों को 22,000 रुपये बोनस राशि दी जाएगी। समझौते पर प्रबंधन की ओर से



डायरेक्टर इंचार्ज राहुल मित्रा 💄 और यूनियन से अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय सहित अन्य ने हस्ताक्षर किए।

सदर अस्पताल से धराया बाइक चीर

JAMSHEDPUR: परसुडीह स्थित सदर अस्पताल में बाइक चोरी करते एक युवक को होमगार्ड जवानों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। जवानों ने पहले चोर की पिटाई की, फिर उसे परसुडीह थाना की पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम दीपक लोहार बताया। वह परसुडीह का ही रहने वाला है।

टाटा पिगमेंट्स में बोनस एग्रीमेंट कर्मियों को मिलेंगे ७१,११८ रुपये



बोनस समझौते के दौरान प्रबंधन व यूनियन के पदाधिकारी

JAMSHEDPUR: टाटा पिगमेंट्स वर्कर्स यूनियन और टाटा पिगमेंट्स मैनेजमेंट के बीच गुरुवार को वर्ष 2023-2024 का बोनस समझौता हुआ, जिसके तहत 48 लाख 52 हजार रुपये कर्मचारियों के बीच बोनस के मद में वितरित किए जाएंगे। कर्मचारियों को अधिकतम 71,118 रुपये और न्यूनतम 54,247 रुपये बोनस के रूप में प्राप्त होंगे। पिछले वर्ष 46 लाख रुपये अधिक है। इससे कर्मचारियों को लगभग 17.64 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ बोनस प्राप्त होगा। बोनस की राशि 21 सितंबर तक कर्मचारियों के बैंक खातों में पहुंच जाएगी, जिससे वे त्योहारी सीजन का आनंद उठा सकेंगे। समझौते पर टाटा पिगमेंट्स प्रबंधन की ओर से प्रबंध निदेशक अनिल कुमार सिंह हरषाना, मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रसून हुई, प्रमुख वित्तीय अधिकारी दिनेश अग्रवाल, मुख्य मानव संसाधन अधिकारी अंकिता केविन नटाल और अतुल कुमार शर्मा ने हस्ताक्षर किए। वहीं, यूनियन की ओर से यूनियन अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष कुलबीर सिंह, सत्यानारायण रॉव, सह सचिव कमलेश कुमार शर्मा, अनिल प्रसाद, कोषाध्यक्ष भुनेश्वर राम और पायो ने हस्ताक्षर किए।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी एकेडमिक ब्लॉक के प्रवेश द्वार पर बना बैगों का पहाड़, ढूढने के लिए छात्राओं को करनी पड़ी मशक्कत

हंगामे के बीच परीक्षा शुरू, पहले ही दिन छात्रा का बैग गायब

समय-समय पर जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के अधिकारी उपलब्धियां गिनाते नहीं थकते। यूनिवर्सिटी में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्था की बखान करते सुने जाते हैं। लेकिन, अंदर झांक कर देखा जाये, तो अव्यवस्थाओं की पोल खुल जाती है। कमोबेश ऐसा ही गुरुवार को यूनिवर्सिटी के सिदगोड़ा कैंपस में देखने को मिला। यहां स्नातक चौथे सेमेस्टर की परीक्षा आरंभ हुई। पहली ही पाली में परीक्षा आरंभ होने से पहले तो कम, लेकिन समाप्त होने के बाद छात्राओं के बीच अफरातफरी का माहौल रहा। दरअसल परीक्षा शुरू होने से पूर्व छात्राओं से उनके बैंग, पर्स वगैरह यूनिवर्सिटी के एकेडिंगक भवन की प्रवेश द्वार पर ही रखवा लिए गए थे। बैग जैसे-



तैसे पहाड़नुमा स्थिति में रखे गए थे। इस कारण छात्राओं को अपना बैग ढूंढ़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। यहां तक कि एक छात्रा का बैग गायब हो गया। उसे काफी देर तक ढूंढती रही। यहां तक कि उसने विश्वविद्यालय के कुलसचिव से भी इसकी शिकायत की। उसने बताया कि उसका बैग नहीं मिल रहा है। उसने काफी ढूंढा। बैग में उसके आवश्यक

कागजात रखे थे। शिकायत के बाद भी छात्रा को कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला और न ही यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से बैग ढुंढने में उसका सहयोग करने की दिशा में कोई कदम उठाया गया।

दूसरी पाली में बदली व्यवस्था, फिर भी स्थिति बेकाबू : परीक्षा की दूसरी पाली दोपहर 2 बजे आरंभ हुई। पहली पाली में छात्राओं की असुविधा को देखते हुए दूसरी

अब गाइडलाइन पर विचार अव्यवस्था और छात्राओं की शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने

इससे निपटने को लेकर मंथन शुरू किया। परीक्षा से पूर्व कोई गाइडलाइन तैयार नहीं की गयी थी, ताकि छात्राओं को इसकी जानकारी हो कि परीक्षा में बैग आदि लेकर नहीं जाना है। ऐसी किसी तरह की जानकारी नहीं होने के कारण ही छात्राएं आम दिनों की तरह बैग लेकर पहुंची थीं। अब छात्राओं की शिकायत और स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन आगामी दिनों में परीक्षा को लेकर गाइडलाइन तैयार कर रहा है।

पाली में व्यवस्था बदली गयी, बावजुद स्थिति बेकाबू रही। छात्राओं को कतारबद्ध कर बैग जमा लिए गए। उस पर नंबर चिपका कर टोकन दिया गया। बावजूद प्रवेश द्वार पर छात्राओं की छात्राओं में असतीष

की अव्यवस्था संतोषजनक नहीं है। वे स्नातक चौथे सेमेस्टर की परीक्षा दे रही हैं। यह यूपीएससी, जेपीएससी, जेईई या नीट की परीक्षा नहीं है। यदि किसी को कदाचार के आरोप में पकड़ा जाता है, तो कार्रवाई उन्हें मंजूर है। लेकिन यह भी देखा जाना चाहिए कि शिक्षकों के अभाव में पढ़ाई की क्या स्थिति रहती है। इन सबके बावजूद वे कदाचार मुक्त और पारदर्शिता पूर्ण परीक्षा की पक्षधर हैं। लेकिन बैग वगैरह लेकर आने पर रोक को लेकर पहले ही सूचना दी जानी थी।

क्या कहते हैं कुलसचिव यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. राजेंद्र जायसवाल ने कहा कि शिक्षकों व कर्मचारियों की कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। क्रमवार सब कुछ व्यवस्थित कर लिया जाएगा। यथासंभव बैग वगैरह लेकर आने पर रोक

लगाते हुए, केवल पेन, पेंसिल, स्केल लेकर आने की अनुमति दी जाएगी। भीड़ जुटी रही। हो-हंगामा होता लेकिन जगह कम पड़ने की वजह रहा। उपस्थित कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी स्थिति को नियंत्रित करने में नाकाम साबित हो रहे थे।

से अनेक छात्राओं के बैग प्रवेश द्वार पर ही पहाड़नुमा स्थिति में छोड़ दिए गए थे। परीक्षा समाप्त डोरमेटरी में बने पूछताछ केंद्र में होने के बाद फिर बैग ढूंढ़ने में अनेत बैग करीने से रखे गए, छात्राओं को मशक्कत करनी पड़ी।

आदिवासी युवती की गला दबाकर हत्या, सामृहिक दुष्कर्म की आशंका

घटनास्थल पर पैर के रगड़ाने के निशान, चेहरे पर भी कई गहरे जख्म

पुलिस ने आरोपियों की तलाश में

छापेमारी शुरू कर दी। अब तक

चार युवकों को हिरासत में लेकर

पुलिस पूछताछ कर रही है।

घटनास्थल से मिले साक्ष्य से पता

धनबाद जिला के गोविंदपुर थाना के बरियो में 19 वर्षीय आदिवासी युवती की हत्या कर दी गई है। प्रथम दृष्टया युवती के साथ सामहिक दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है। शव को एसएनएमसीएच धनबाद लाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पृष्ट तथ्य सामने आ सकते हैं। बताया जाता है कि बुधवार को दोपहर के समय युवती अपने घर मे अकेली थी। उसके माता-पिता बाहर काम पर गए थे और भाई फुटबॉल मैच देखने गया था। उसी

बीच कुछ युवक उसके घर मे

घुसे और घटना को अंजाम दिया।

घर में सबसे पहले उसका भाई

लौटकर आया, तब युवती गंभीर



बोरियो पंचायत के मखिया राजेश हांसदा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर वे पीड़ित परिवार से मिलने गए। जब युवती का मोबाइल फोन चेक किया तो देखा कि उसके मोबाइल फोन से 28 कॉल किए गए थे। उसने पुलिस से मदद की भी कोशिश की थी, क्योंकि इन 28 कॉल में दो बार 112 नंबर भी डायल किया गया था। जिन लोगों को फोन से कॉल किया गया, उसमें यवती की बहन, भाई समेत अन्य रिश्तेदार हैं। शायद किसी ने भी कॉल का जवाब नहीं दिया। पुलिस ने भी युवती के कॉल रिकार्ड को चेक किया है।

युवती को तत्काल पास के अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के कपड़े फटे हुए थे और शरीर पर कई जगह पर चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने चार युवकों को लिया

चलता है कि आदिवासी युवती ने मौत से पहले काफी संघर्ष किया था। घटना स्थल पर पैर के हिरासत में : घटना की सूचना

पृष्टि करते हैं। इतना ही नहीं, उसके फोन से रिश्तेदारों और पुलिस को 28 बार कॉल किए गए। घटना का समय बुधवार दोपहर तीन बजे बताया जा रहा है। इसकी जानकारी स्थानीय मिखया राजेश हांसदा को रात नौ बजे हुई और पुलिस रात 11 बजे के आसपास घटना के बारे में

थे। परिवार के लोगों के अनुसार उनके घर के दरवाजे की कुंडी और हुँड़का टूटा हुआ मिला। इससे कहा जा रहा है कि आरोपित

दो लोगों को घर से बाहर

निकलते हुए देखा गया

फटे थे कपड़े, बिखरे पडे थे सामान

मतका के भाई ने बताया कि जब वह घर

पहुंचा तो दरवाजा बाहर से बंद था। अंदर

जॉने पर देखा कि बहन भी जमीन पर गिरी

हुई थी। बहुन के कपड़े फटे और अस्त-

व्यस्त थे। शरीर व चेहरे पर चोट के

निशान भी थे। मकान मिट्टी का है और

जमीन पर पैरों के घिसटने के निशान भी

मुखिया राजेश हांसदा की माने तो र्दोपहर के वक़्त दो लोगों को युवती के घर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। इन दोनों ने कान में बॉली, नीली शर्ट, पैंट और जुता पहन रखा था। ये दोनों घर से निकलने के बाद बाहर से कुडी भी लगा दी थी। पुलिस मुखिया के बयान के आधार पर भी आरोपितों की तलाश

कस्तुरबा विद्यालय के किचन में लगी आग कोई हताहत नहीं

LOHARDAGA : कस्तरबा गांधी

बालिका आवासीय विद्यालय कुडू

के किचन में गुरुवार को खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लगने से अफरातफरी मच गई। विद्यालय की कर्मियों तथा छात्राओं ने सुझबुझ का परिचय देते हुए आग पर काबू पा लिया लेकिन किचन में रखा तैयार खाना को नकसान पहुंचा। जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दिया है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कुडू के किचन में आग लगी से एक बडा हादसा टल गया। विद्यालय परिसर के रसोई घर में गुरुवार को छात्राओं तथा कर्मियों के लिए सुबह नाश्ते के लिए रसोइया तथा अन्य महिला कर्मी खाना बना रहे थे। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग पकड़ लिया। आग पकड़ने के बाद विद्यालय के आवासीय परिसर में हड़कंप मच गया।कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कुडू में चार सौ 80 छात्राओं तथा लगभग बीस कर्मी कार्य करते हैं व आवासीय

हो भाषा के लिए संसद में दूंगी धरना : जोबा मांझी



खरसावां में लाको बोदरा की प्रतिमा का अनावरण करतीं सांसद जोबा मांझी

SARAIKELA : सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी ने गुरुवार को खरसावां में ओतगुरु कोल लाको बोदरा की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा का निर्माण खरसावां के विधायक दशरथ गागराई की विधायक निधि से किया गया है। आदिवासी संस्कृति कला केंद्र प्रांगण में हुए कार्यक्रम के दौरान सांसद ने कहा कि लाको बोदरा पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हो भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करे, नहीं तो संसद भवन में धरना दुंगी। उन्होंने

उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया

मान सम्मान के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। इसी क्रम में सांसद व विधायक दशरथ गागराई ने मैट्रिक परीक्षा में हो भाषा विषय मे बेहतर अंक लाने छात्राओं को प्रमाणपत्र सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक की पत्नी बसंती गागराई, खरसावां के प्रखंड प्रमुख मनेंद्र जामुदा, मुखिया सुनीता तापे, मुखिया मंगल सिंह जामुदा, रानी हेम्ब्रम, अजय सामाड, अनुप सिंहदेव, धनु मुखी, साधुचरण सोय समेत काफी संख्या में लोग

कांग्रेस नेताओं ने अपने ही पदाधिकारियों के खिलाफ पितृपक्ष में किया हवन

PHOTON NEWS DHANBAD: कल तक राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने वाले भाजपा विधायक का पतला फंकने वाले कांग्रेसी आज अचानक अपनी ही पार्टी के अधिकारियों के खिलाफ गांधीजी की प्रतिमा के समीप हवन कर उनकी भ्रष्ट हो चुकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने लगे। इतना ही नहीं, इन्हें बारह दिनों के भीतर पदमुक्त नहीं किए जाने पर 13वें दिन इन कांग्रेस पदाधिकारियों की तेरहवीं कर सामृहिक भोज का आयोजन करने की भी घोषणा कर दी। इन दिनों धनबाद कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के नेता ही अपने पदाधिकारी के खिलाफ न सिर्फ खुलकर विरोध कर रहे है, बल्कि उनकी तस्वीर पर फूलमाला चढ़ा पितृपक्ष के दौरान उनकी आत्मा की शांति



गांधीजी की प्रतिमा के पास हवन करते कांग्रेस कार्यकर्ता

• फोटोन न्यूज

जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संतोष सिंह तथा कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा की कार्यशैली से नाराज पार्टी के ही पूर्व यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनोज सिंह ने विरोध जताते हुए गांधी सेवा सदन में गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष दोनों कांग्रेस जिला अध्यक्षों के तस्वीर पर फुलमाला चढ़ा पूरे विधि विधान से इनके भ्रष्ट आत्मा से कांग्रेस को

के ही कारण विगत लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को धनबाद लोकसभा चुनाव में करीब साढ़े

बस के धक्के से गढवा निवासी की मौत. चालक फरार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय स्थित चाईबासा बस स्टैंड में गुरुवार को बस के धक्के से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दोपहर में हुई इस घटना में चालक बस सहित फरार हो गया। इस घटना में घायल व्यक्ति की चाईबासा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गढ़वा के भवनाथपुर निवासी सुदेश्वर सिंह अपने साला विकास कुमार सिंह के साथ गुरुवार को रुंगटा माइंस में काम करने के लिए बस से चाईबासा आए थे। इसी दौरान बस स्टैंड के बाहर दोनों खड़े थे। तभी अचानक एक तेज रफ्तार बस धक्का मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। इस घटना में सुदेश्वर सिंह का साला बाल-बाल बच गया। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर मामले

राज्य भर में जेएसएससी परीक्षा कल से, हजारीबाग में 70 और जमशेदपुर में बनाए गए 82 केंद्र



बैठक को संबोधित करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

PHOTON NEWS HAZARIBAG: परीक्षा कदाचार मुक्त एवं सुगमता परीक्षा 2024 के लिए हजारीबाग पूर्वक संचालन हेत् जिले में 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए निमित्त ब्रीफिंग की गई। उपायुक्त ने जहां लगभग 26 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसे लेकर उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता को कहा। इसके साथ ही परीक्षा में गुरुवार को केंद्र अधीक्षकों की केंद्र में किसी भी प्रकार के अन्य बैठक आयोजित की। नगर भवन में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा घड़ी, हुई बैठक में जिला अंतर्गत 21-22 मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक वॉच, सितंबर को होने वाले झारखंड कैलकुलेटर या किसी भी अन्य स्टाफ सलेक्शन परीक्षा में संलग्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का प्रवेश न हो सूची के अनुसार सभी केंद्रों के

झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा

परीक्षा (जेजीजीएलसीसीई) 21–22 सितंबर को होगी। इसके लिए पूर्वी सिंहभूम जिले में 82 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 42 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। यहां बता दें कि आयोग ने पहली बार विगत 28 जनवरी को परीक्षा का आयोजन किया था, लेकिन पेपर लीक होने की वजह से उसे रद्द करना पड़ा था। उसके बाद अब परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके मद्देनजर एसडीओ पारूल सिंह ने परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू करने करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में एसडीओ ने अधिसूचा जारी कर दी है। बताया गया है कि परीक्षा के दौरान शांति भंग होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए निषेधाज्ञा लागू की गई है। निषेधाज्ञा 20 सितंबर को रात 10 बजे से 22 सितंबर की रात 9 बर्जे तक लागू रहेगी। इस दौरान मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, किताबें, हथियार और भीड इकट्टा करने पर रोक रहेगी। यह आदेश केवल अनाधिकृत व्यक्तियों पर लागू होगा, जबिक अधिकृत व्यक्ति और परीक्षार्थी इससे मुक्त रहेंगे।

परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में धारा-144 लागू रहेगी। सभी परीक्षा केंद्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश पुलिस प्रशासन को दिया। उन्होंने संपूर्ण परीक्षा अवधि के दौरान स्टैटिक एवं फ्लाइंग मजिस्ट्रेट को क्रियाशील रहने का निर्देश दिया।

पिछड़े वर्ग के लोगों को मिले योजना का लाभ

आवश्यक सामग्रियों-किट का भी उपायुक्त के अलावा, एसडीपीओ शिवाशिष कुमार, बरही एसडीओ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी बीडीओ एवं सीओ, पुलिस प्रशासन

नगर परिषद क्षेत्र की सड़कों को दुरुस्त करने का निर्देश

के लिए हवन और श्राद्धकर्म भी

LOHARDAGA: उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में गुरुवार को जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें नगर परिषद क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों को अविलंब दरुस्त करने का निर्देश दिया गया। इस पर समाजसेवियों ने उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया था। इसके अलावा गुड समरिटान को प्रशस्ति पत्र देने की मांग

समाजसेवियों ने की थी, ताकि सडक दर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए लोग आगे आएं। इसी क्रम में उपायुक्त ने परिवहन व पुलिस विभाग को नियमित रूप से हेलमेट चेकिंग करने, डंक एंड डाईव, ओवर स्पीडिंग के लिए नियमित चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया।

विद्यालयों में किशोर-किशोरियों को नियमित रूप से यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, विद्यालय प्रबंधन को भी यातायात नियमों की जानकारी देने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से दंड शूल्क लेने आदि के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि हिसरी–बोंगा पथ में टटे कलवर्ट के कारण परेशानी हो

जुआ खेल कर घर लौट रहे युवकों को बाइक सवार अपराधियों ने पैर में मारी गोली

PALAMU: जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सदर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने दो यवकों को गोली मार दी। गोली दोनों के पैर में लगी है। जख्मी हालत में युवकों को ईलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए प्राथमिक ईलाज के बाद दोनों को बेहतर ईलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना रात नौ बजे की है। सदर थाना क्षेत्र के अमानत नदी के पास सिंगरा खुर्द में वारदात हुई। जख्मी यवक उदित प्रसाद और मंटू चौरसिया चैनपुर थाना क्षेत्र के पथरा के रहने वाले हैं। दोनों युवक पंडवा से जुआ खेलकर वापस अपने घर चैनपुर के पथरा लौट रहे थे। युवकों से पूछताछ में पुलिस को पता लगा है कि बिसफुट्टा पुल से करीब डेढ़ किमी पहले सिंगरा खुर्द



अस्पताल में इलाजरत बाइक सवार

में अपराधियों ने पीछे से आकर दोनों युवकों की स्कूटी को रोका। गोली मारने वाले अपराधी बाईक पर सवार थे और उनकी संख्या दो थी। अपराधियों ने दोनों युवकों को रोका। फिर इनके पैर में गोली मारकर भाग निकले। दोनों युवकों से किसी तरह की लूटपाट नहीं हुई है। गोली लगने के बाद राहगीरों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद दोनों को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर एसडीपीओ मणिभषण प्रसाद पुलिस टीम के साथ पहुंचें। एसडीपीओ मणिभूषण ने बताया कि पंडवा के एक घर में जुआ खेलकर लौटने के दौरान गोली मारी गई है। गोली मारने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। दोनों बैड एलिमेंट में शामिल रहे हैं। पुलिस का अनुसंधान जारी है।

मनीष राज गुप्ता होंगे सेल के नए निदेशक

BOKARO: स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के नए निदेशक (तकनीकी व परियोजना व रॉ मैटेरियल)

मनीष राज गुप्ता होंगे। वे वर्तमान में इस्को बर्नपुर इस्पात संयंत्र में अधिशासी निदेशक

संकार्य के पद पर कार्यरत हैं। सेल के वर्तमान निदेशक एके सिंह नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद मनीष राज 1 नवंबर से नए पद पर योगदान देंगे। मनीष राज का कार्यकाल ३१ अक्टबर २०२९ तक होगा। गप्त बोकारो इस्पात संयंत्र के एसएमएस– १ व एसएमएस-२ में मुख्य महाप्रबंधक के पद पर अपनी सेवा दे चुके हैं। बीएसएल से ही 15 जुलाई 2023 को सीजीएम से ईडी पद पर पदोन्नति देते हुए उनका तबादला इस्को बर्नपुर इस्पात संयंत्र में ईडी वर्क्स के पद पर किया गया था।

पिछड़े वर्गों के लोगों की समस्या दुर करने के लिए सरकार ने बेहद महत्वपर्ण कदम उठाए हैं। इस समाज के लोगों की आवाज प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने के लिए राज्य आयोग की टीम रामगढ़ जिले में योजनाओं की समीक्षा कर रही है। इसका उद्देश्य

यह है कि पिछड़े वर्गों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। साथ ही नौकरी में भी इन्हें प्राथमिकता मिले। यह बातें गुरुवार रामगढ में आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में राज्य सरकार की योजनाएं धरातल पर कार्य कर रही हैं। जिला प्रशासन का कार्य सराहनीय है। इसके बावजद पिछड़ा आयोग को मिले आवेदन के आधार पर जिला प्रशासन से उन्होंने 17 अगस्त 1991 से सेल में जवाब मांगा गया है। जिला अपने कॅरियर की शुरूआत की थी।



बैठक करते आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद

प्रशासन में कुछ शिकायतों से आधार पर अपना जवाब पेश किया है। जिन सवालों के संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं हो पाए हैं, उन पर बेहतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि बैठक के दौरान भ-अर्जन विभाग में कई गड़बड़ियां पाई गई है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें गलत तरीके से रकम का भुगतान किया गया है। जमीन का मामला

हाई कोर्ट में लंबित है, इसके बावजूद एक पक्ष को भू-अर्जन विभाग के द्वारा भुगतान किया गया है। इस मामले को डीसी चंदन कुमार ने भी काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने भू अर्जन पदाधिकारी को शो-कॉज नोटिस किया है। आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि दो दिवसीय दौरे पर टीम रामगढ़ आई है। यहां कई विभागों के द्वारा संचालित किए जाने वाली योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया जाएगा।

तकनीकी गड़बड़ी से नहीं खुल रहा वेबसाइट का लिंक, कल से देना होगा 500 रुपये जुर्माना

स्नातक २०१८-२१ से २०२१-२४ का फार्म नहीं भर पा रहे छात्र

PHOTON NEWS DHANBAD: बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रण विभाग ने स्नातक और व्यवसायिक पाठ्यक्रम सेमेस्टर-2 और चार शैक्षणिक सत्र 2023-26/27 के साथ-साथ 2018-21, 2019-22, 2020-23 और 2021-24 के लिए ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की अधिसूचना जारी की है। सूचना 12 सितंबर को जारी की गई और 14 सितंबर से परीक्षा फार्म भरने की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी विद्यार्थी परीक्षा फार्म नहीं भर पा रहे हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट में तकनीकी दिक्कत आने के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा फार्म भरने का लिंक ही नहीं खुल पा रहा है। छात्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर

जाने के बाद सेमेस्टर-4 और 2



का लिंक तो मिल रहा है, लेकिन उसे क्लिक करने पर वह खुल नहीं रहा। बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फार्म भरने के लिए अंतिम तिथि 20 सितंबर विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों ने मामले को लेकर विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुमन कुमार वर्णवाल से लिंक अपडेट करने की मांग की है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी

परीक्षा संबंधी सूचना के अनुसार 21 से 23 सितंबर तक यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा फार्म भरता है तो उसे 500 रुपये विलंब दंड के रूप में देना होगा, जबकि 24 व 25 सितंबर को परीक्षा फार्म आनलाइन भरने पर विलंब दंड 1000 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा स्नातक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा शुल्क 650 रुपये निर्धारित है, वहीं बीबीए, बीसीए,

चौकीदार नियुक्ति परीक्षा में शामिल हुए १९३६ अभ्यथी

LATEHAR: लातेहार जिले में चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 11.30 बजे तक परीक्षा हुई। जिला प्रशासन के अनुसार, एक पाली में आयोजित लिखित परीक्षा वीक्षकों की निगरानी में कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा के लिए कुल 2104 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र निर्गत किया गया था, जिसमें 1936 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। 168 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे। लातेहार जिला मुख्यालय में कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिसके लिए कुल 12 केंद्र अधीक्षक, 12 स्टैटिक दंडाधिकारी, 05 पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट-सह-उड़नदस्ता दंडाधिकारी एवं ४ जोनल दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त

बायो टेक, बीएससी सीए, बीएससी सीएस व पर्यावरण विज्ञान के लिए 1550 रुपये परीक्षा शुल्क जमा करना है। छात्रों ने कहा कि बिना उनकी गलती के ही उन्हें जुर्माना भरना पड़ेगा।

इधर परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुमन कुमार वर्णवाल ने बताया कि

परीक्षा फार्म भरने के लिए जो लिंक दिया गया है, वह ओटीपी पर निर्धारित है। विद्यार्थियों को लिंक खोलने के लिए उन्हें पहले अपने मोबाइल नंबर को अपडेट रखना होगा। इसके बाद भी यदि उन्हें कोई समस्या आती है तो वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं।

पोषण जागरूकता रैली निकली



LOHARDAGA: जिला में पोषण माह के अंतर्गत पोषण जागरूकता रैली का शुभारंभ मुख्यमंत्री उत्कृष्ट नदिया हिंदू प्लस टू उच्च विद्यालय मैदान से किया गया। यह रैली मैना बगीचा से होकर समाहरणालय मैदान परिसर में संपन्न हुई, जहां एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में नुक्कड़-नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पोषण, साफ-सफाई एव स्वच्छता संबंधी जानकारी दी गई। इसमें सही पोषण के लिए अपने आसपास उपलब्ध खाद्य पदार्थों की जानकारी दी गई। इसके साथ-साथ स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत मानव शृंखला का भी निर्माण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम आइलिन टोप्पो सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गिरिडीह के नेशनल हाईवे पर जमीन धंसने से बना गडढा



सड़क पर बना गड्ढा

• फोटोन न्यूज

GIRIDIH : सीसीएल की बनियाडीह कोलयरी क्षेत्र एवं इसके सटे इलाको को मे कोयला के अवैध खनन के कारण लगातार भू धसान की घटनाओं के कारण जमीन धसती जा रही है। पिछले सप्ताह कबरीबाद कोयला खदान के मुख्य सडक पर भू धसान से एक बड़ा गोफ बन गया था । इसी क्रम में गुरुवार को नेशनल हाइवे 114 ए में धंसान हुआ है । इस बार भी उसी स्थान पर सड़क धंस गयी है, जहां पर पूर्व में गोफ बनता रहा

है । भू धंसान की घटना के बाद नेशनल हाइवे के अधिकारी आगे कार्रवाई में जुट गए हैं । एनएच अधिकारी ने बताया गया कि पिछले 15 दिनों से गिरिडीह स्टेडियम के आसपास नेशनल हाइवे द्वारा गार्डवाल निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है । इस बीच गुरुवार को गार्डवाल का निर्माण कर रही एजेंसी प्रीति इंटरप्राइजेज के साइट इंचार्ज आदित्य शर्मा ने बताया कि काम कर रहे कर्मियों ने धंसान की जानकारी दी है ।

पूर्वजों को जल देने का भारतीय विधान सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान भी

भारतीय ऋषियों ने अपने तमाम शोधों में से एक अनुसंधान देह की समाप्ति (मत्य) के बाद के दसरे संसार पर भी किया है, जिसे हम आत्माओं का घर भी कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य अनेकानेक जीवाणुओं और विषाणुओं को अपनी खुली आंखों से देख नहीं सकता, किंतु उनका अस्तित्व है, उसी प्रकार से आत्माओं का जगत है, जहां से मृत्युलोक में ये आत्माएं नाना प्रकार के शरीरों में बार-बार आती हैं। कुछ हमारे आस-पास भी रहती हैं। इनमें से कछ ऐसी भी हैं, जो लंबे समय तक जन्म नहीं लेतीं, क्योंकि उनका पूर्व जन्म का बंधन, जो मन से जुड़ा है, वह जागृत रहता है। स्वभाविक है कि वे आत्माएं अपने कुल-परिवार से इतनी अपेक्षा जरूर करेंगी कि वे उनके वर्तमान में भौतिक अस्तित्व का कारण हैं, इसलिए कम से कम कछ दिन ही सही, उनके प्रति श्रद्धा का संस्कार तो पूर्ण करेंगे ही। वास्तव में श्राद्ध की मलभत परिभाषा यह है कि प्रेत और पितर के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाए, वही श्राद्ध है। यह श्राद्ध ठीक आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से पितृपक्ष प्रारंभ होता है और 15 दिन शुक्ल प्रतिपदा तक चलता है। पितृपक्ष में पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो यव (जौ) तथा चावल का पिंड देता है। इस संबंध में श्रीमद्भागवत में भगवान श्री कृष्ण का कथन है- जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है, मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकांड में श्राद्ध कर्म का विधान निर्मित किया गया है। हालांकि श्राद्ध कर्म, तर्पण विधि की वैज्ञानिकता और अवैज्ञानिकता के अपने तर्क हो सकते हैं, किंत इसे कछ इस तरह समझना होगा जैसा कि हमारे आस-पास अनेक पाई जानेवाली ध्विन तरंगे हैं। इन तरंगों को आप महसूस नहीं कर सकते, किंत हर तरंग आपकी ली गई सांसों से शरीर के अंदर और बाहर स्वतः हो रही हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में जैसे ही एक निश्चित तरंग को उसकी संचारक गति पर स्थिर किया जाता है, सामने से आवाजें सुनाई देने लगती हैं। बोलते चित्र भी प्रकट हो जाते हैं। वस्तुतः जो भी लोग श्राद्ध पक्ष को लेकर अविश्वास व्यक्त करते हैं, उन्हें यहां समझ लेना होगा कि अपनी ऋषि परंपरा पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं। अब तक हिंदू जीवन की जीतनी भी परंपराएं पाई गई हैं, उसके पीछे कोई न कोई वैज्ञानिकता सामने आती रही है। हिंदु शास्त्रकारों ने इस विषय की ऐसी बारीकी से खोज की है कि मनुष्यों को अपने सब प्रकार के भले बुरे कर्मों के परिणामों का भली प्रकार ज्ञान हो जाता है और वे परलोक के स्वरूप को बहुत अच्छी तरह समझ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर मृत्यु के बाद दाह संस्कार ही क्यों किया जाता है, तब इसका उत्तर होगा कि कोई भी मनुष्य हो, वह प्रकृति से जीवन भर लेता है, यदि कोई इंसान अत्यधिक कंजूस है, सिर्फ लेने पर ही भरोसा रखता है, उससे भी जीवन के अंत के बाद पांच तत्वों में भौतिक शरीर के विलीन हो जाने पर शेष अस्थियों में बचे अग्नि के ताप से पवित्र कैल्शियम और फास्फोरस को बहते हुए नदी जल में विसर्जीत कर जीव-जगत की सेवा करने का विधान है। गंगा, यमुना, गोदावरी, कावेरी या अन्य नदी के एक घाट पर अस्थि विसर्जन चल रहा होता है तो दूसरे घाट से नदी के पवित्र जल को अनेक मनुष्य एवं नाना प्रकार के जीव-जंतु पीकर अपनी प्यास बुझा रहे होते हैं। स्वभाविक है कि विसर्जित अस्थियों का जल उन तमाम शरीरों में जाता है, जो नदी के जल का सेवन करते हैं या वह जल कृषि कार्य में उपयोग लिया जा रहा है। इस पूरे चक्र में आप देखेंगे कि विसर्जित अस्थियों का कैल्शयिम जल के पीने के साथ अनेक जीवों के शरीर में जाकर उनके जीवन को पृष्टता प्रदान करता है और शरीर में प्राकृतिक रूप से कैल्शियम की कमी को दूर करने का कारण बनता है। इसी प्रकार के अनेक उदाहरण वनस्पतियों, औषधि, धातु, सौरमंडल, खगोल विज्ञान, वास्तु विज्ञान समेत हर क्षेत्र में आज प्रमाणित हो चुके हैं, जिन्हें कल तक सिर्फ धारणा कहकर या हिंद माइथोलॉजी (मिथ) कहकर आविश्वास प्रकट करते हुए उनके होने पर ही प्रश्न खड़ा किया जाता था, उन्हें सही होने के बाद भी नकार दिया जाता था, किंतु आज वे शत-प्रतिशत सही सिद्ध हो चुके हैं। कहना होगा कि मृत्यू के बाद जीवन का विषय भी कुछ इसी प्रकार का है। भारतीय संदर्भ में मृत्यु के बाद नए जीवन लेने के कई उदाहरण वर्तमान में हमारे सामने हैं. जो अन्य मत, पंथ, रिलीजन की धारणाओं के उलट हैं, जैसा की बेंगलुरु के नेशनल इंस्टीटयूट आफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत डॉ. सतवंत पसरिया द्वारा इस विषय पर लंबे समय तक किए गए शोध के आधार पर पुनर्जन्म पर प्रकाशित 'क्लैम्स आफ रिइंकार्नेशनरू एम्पिरिकल स्टडी आफ कैसेज इन इंडिया' पुस्तक लिखी गई। इसमें उन्होंने 1973 के बाद से भारत में हुई 500 पुनर्जन्म की घटनाओं का उल्लेख किया है। यह पुस्तक तथ्यों के साथ यह प्रमाणित कर देती है कि मत्य के बाद पनर्जन्म है और पनर्जन्म होने के पहले पितर, प्रैत योनी भी है, जहां कई बार पुनः जन्म लेनेवाली आत्मा को कई वर्षों तक रुकना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में शामिल 'मैनी लीव्स मैनी मास्टर्स' है, जिसके लेखक डॉ. ब्रायन वीस एक मरीज की सच्ची कहानी के बारे में लिखते हैं। ब्रायन वीस अपने मरीज से सवाल पूछते हैं। उक्त महिला मरीज जब इन सवालों के जवाब देती है तो वीस हैरान रह जाते हैं. क्योंकि इन समस्याओं के तार पिछले जन्म से भी जुड़े रहते हैं। गीता प्रेस गोरखपुर ने भी अपनी एक किताब 'परलोक और पुनर्जन्मांक' में ऐसी कई घटनाओं का वर्णन किया गया है, जिससे कि पुनर्जन्म होने की पुष्टि होती है। इस बच्चे की उम्र केवल चार साल थी, तबसे कहीं बड़ी उम्र के महिला-पुरुष इसे पिता और ससुर के रूप में सम्मान दे रहे हैं। बच्चा भी उनके साथ उसी तरह का व्यवहार करता है, जैसे वह उनका पिता और सुसुर हो। इसका कारण इस बच्चे का इन लोगों से पिछले जन्म का रिश्ता होना है। यह घटना मध्य प्रदेश के सीहोर जिले

कौन करवाता है योजनाबद्ध धर्मातरण

ANALYSIS



ጆ आर .के . सिन्हा

उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ २० जून २०२१ को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था, जो उत्तर प्रदेश में मूक-बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मातरित कराने में शामिल था। इस बात की पुरजोर आशंका है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खिफया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था, लेकिन उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मातरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है। देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही है, होनी भी चाहिए। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है।

किसी धर्म को मानने या ना मानने या फिर किसी भी धर्म से जुड़ने का अधिकार संविधान देता है, पर

किसी प्रलोभन या गलतफहमी में योजनाबद्ध रूप से किसी तरह के धर्मांतरण को अपराध माना गया है। इस आलोक में उत्तर प्रदेश की एक विशेष अदालत का हाल ही में अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिए गए 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाना महत्वपूर्ण है। अदालत ने सभी आरोपितों को दोषी करार दिया। अदालत की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, धर्मांतरण करवाने के धंधे से जुड़े शातिर लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत सजा सुनाई गई। विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार कई दूसरे देशों से भी जुड़े थे। इसके लिए आरोपि हवाला के जरिए विदेश से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनचित दबाव बना कर बड़े पैमाने पर उनका धर्म

परिवर्तन करा रहे थे। उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जन 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था. जो उत्तर प्रदेश में मुक-बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था। इस बात की पुरजोर आशंका है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था, लेकिन उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है। देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही

भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म बदलने के अधिकार की बात तो कही गई है, पर उमर गौतम और उनके साथी तो गरीब-गुरुबा लोगों को लालच और जोर-जबरदस्ती से धर्मांतरण करवा रहे थे। गौतम और उनका गिरोह भूल गया था कि धर्म परिवर्तन सामाजिक एकता को कमजोर कर सकता है और समाज में भयंकर नफरत पैदा कर सकता है। भारत में धर्म परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें कानुनी, धार्मिक और सामाजिक सभी पहलू शामिल हैं। कुछ साल पहले केरल के प्रतिष्ठित फिल्म निमार्ता निर्देशक अली अकबर और उनकी ईसाई पत्नी लूसीअम्मा ने आर्य समाज में हवन के जरिए हिंदू धर्म अंगीकार कर लिया था। आर्य समाज के स्वामीजी द्वारा उनका नया नामकरण भी कर दिया गया है। अली अकबर को नया नाम मिला था राम

हिंदु धर्म ही क्यों, यह प्रश्न पूछे जाने पर अली अकबर ने कहा था, 'क्योंकि हिंदु धर्म कोई धर्म नहीं, बल्कि संस्कृति है। यहां नर्क में जाने का डर नहीं है। आप एक इंसान की तरह जी सकते हैं, क्योंकि भगवान आपके अंदर हैं। अपने भीतर ईश्वर को देखना एक महान विचार है। कहते हैं कि राम सिम्हन केरल में हिंदू धर्म अपनाने वाले पहले मुसलमान थे। लेकिन, यह राम सिम्हन के विवेकपूर्ण निर्णय को दशार्ता है। इसपर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। एक बात बहुत साफ है कि किसी को लालच देकर या जोर जबरदस्ती से धर्मांतरण करवाना कतई सही नहीं माना जा सकता है। समझ नहीं आता कि कुछ धर्मों से जुड़े लोग क्यों इसी फिराक में रहते हैं कि उनके धर्म से अन्य धर्मों को मानने वाले जुड़े जाएं। गुस्ताखी माफ, कई इस्लामिक और ईसाई संगठन इसी कोशिश में रहते हैं कि दूसरे धर्म को मानने वाले उनके मजहब का हिस्सा बन जाएं। यह कोई बात हुई क्या, फिर यदि बाकी धर्मों को मानने वाले लोग भी यही करने लगें, तो समाज में भाईचारा कहां और कैसे बचा रहेगा। अगर कोई अपने मन से उस धर्म को त्याग देता है, जिसमें उसका जन्म हुआ है, तब तो कोई बात नहीं है। उदाहरण के रूप में म्यजिक डायरेक्टर रहमान को ही लेते हैं। उन्होंने खुद ही हिंदू धर्म को छोड़ कर इस्लाम को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी इस्लाम अपना लिया। यहां तक तो सब ठीक है, पर कछ तत्व सुदूर इलाकों में रहने वालों को अपने पाले में लाने के जुगाड़ में रहते हैं। हमारा संविधान इसकी अनुमित नहीं देता। जब गौतम जैसों पर एक्शन होता है, तो कुछ कथित बुद्धिजीवी अलाप करने लगते हैं। पिछले कई सालों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि राज्य में दलित सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म से जोड़ा जा रहा है। मेरे संज्ञान में एक सच्ची घटना है जो मैं शेयर कर रहा हूं।

लगभग दस वर्ष पहले मुझे अपने स्कूल के खेल शिक्षक के बारे में पता चला कि उसने त्यागपत्र दे दिया है और अगले महीने से हमें एक नया खेल शिक्षक नियक्त करना होगा। मैंने उसे बलाया और पूछा कि तुम्हारी तकलीफ क्या है। उसने बताया कि मुझे कोई तकलीफ नहीं है, पर आप जितना वेतन मझे दे रहे हैं. उससे दस या बीस गना कमाने का जरिया मुझे मिल गया है। मुझे घर मरम्मत के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी। मझे पता चला कि मेरे इलाके में एक नया चर्च बना है, उसके पादरी जरूरतमंदों की मदद करते हैं। मैं उनके पास गया। उन्होंने कहा कि मदद करूंगा, लेकिन तुम्हें हर रविवार चर्च आकर प्रार्थना करनी होगी। मुझे तरीका आसान लगा। उन्होंने मुझे सपरिवार (पति-पत्नी, विधवा मां और दो बच्चों को) ईसाई बनने के लिए बीस हजार प्रति व्यक्ति की दर से एक लाख रुपये दिए। बाद में पता चला कि मेरे जिस पड़ोसी ने मुझे ईसाई बनने का लालच दिया और पादरी से मिलवाने ले गया.

उसे भी इतना ही पैसा मिला। मझे लगा कि इस तरह धर्म प्रचार करके तो ज्यादा कमाया जा सकता है, तो मैंने इस्तीफा दे दिया। वह आज भी धड़ल्ले से गांव-गांव जाकर देवभूमि उत्तराखंड को ईसाई भूमि बनाने में लगा है। पहले हाफ पैंट और टीशर्ट पहन कर साइकिल से घुमता था। अब सलीके के सट पहन कर चमचमाती कार में घुमता है। ऐसे एक नहीं अनेक धर्म भ्रष्ट लालची लोग आपको हर इलाके में मिल जाएंगे। यह सवाल अपने आप में महत्वपर्ण है कि क्या भारत में धर्म प्रचार की अनमति जारी रहनी चाहिए। कभी-कभी लगता है कि इस मसले पर देश में बहस हो ही जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं। देखा जाए तो केवल धर्म पालन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। धर्म के प्रचार-प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं, जिसका प्रचार-प्रसार करना जरूरी हो। अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगालें तो देखते हैं कि भारत के संविधान निमार्ताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छट दी थी। क्या इसकी कोई

बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है, पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड में धर्मांतरण का ही मख्य लक्ष्य रहा है। उधर, इस्लाम का प्रचार करने वाले बिना कछ किए ही धर्मांतरण करवाने के मौके खोजते हैं। हालांकि मसलमानों की शिक्षण संस्था अंजुमन इस्लामिया ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। यह मुंबई में सक्रिय है। अब आप देखें कि आर्य समाज, सनातन धर्म और सिखों की तरफ से देश में सैकड़ों स्कूल, कॉलेज,अस्पताल वगैरह चल रहे हैं, पर इन्होंने किसी ईसाई या मुसलमान का धर्मांतरण का कभी प्रयास नहीं किया। आपको अपने धर्म को मानने की तो अनुमति होनी चाहिए, पर अपने धर्म का प्रचार करने या धर्मांतरण कराने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

न धर्म बदलेंगे, न पेंशन लेंगे

रतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में बरतानिया सरकार के विरुद्ध जनजातीय योद्धा सदैव भारी पड़े हैं, इसलिए बरतानिया सरकार ने उन्हें छल से ही मारा है। इसी संदर्भ में 1857 के महान स्वतंत्रता संग्राम में गोंडवाना साम्राज्य के राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह को धोखे से पकडकर 18 सितंबर 1857 को राजद्रोह के आरोप में तोप के गोले से उड़ा गया था। उस समय भारत की यह पहली दखद घटना थी. जब किसी राजा और युवराज को तोप के मुंह से बांधकर उड़ाया गया था। यद्यपि राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह को पेंशन, भूमि और धर्म परिवर्तन के बदले में मुक्त करने का लालच दिया गया, परंतु राजा शंकरशाह ने 'स्व' के लिए प्रस्ताव ठुकराते हुए कहा था कि न धर्म बदलेंगे, न पेंशन लेंगे, तोप के सामने बांधकर उड़ा दो। पूर्व पीठिका यह है कि भारत के हृदय स्थल में स्थित त्रिपुरी (जबलपुर) के महान कलचुरी वंश का तेरहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में अवसान हो

शक्तियां इस क्षेत्र को अपने अधीन थीं। अंततः इस संक्रांति काल में एक वीर योद्धा जादों राय (यदु राय) ने तिलवारा घाट निवासी एक महान ब्राह्मण सन्यासी सुरभि पाठक के भगीरथ प्रयास से त्रिपरी क्षेत्रांतर्गत गढा- कटंगा क्षेत्र जबलपुर में गोंड वंश की नींव रखी। कालांतर में यह साम्राज्य गोंडवाना साम्राज्य के नाम से जाना चरमोत्कर्ष का प्रारंभ महानायक राजा संग्राम के समय हुआ। राजा संग्राम शाह के सुपुत्र दलपित शाह का विवाह कालिंजर के महाप्रतापी राजा कीरत सिंह की सुपुत्री दुर्गावती से हुआ। यह विवाह सामाजिक समरसता का अविस्मरणीय दृष्टांत है। विवाह के 6 वर्ष उपरांत ही दलपति शाह का आकस्मिक निधन हो गया और 1548 में गोंडवाना राज्य की बागडोर वीरांगना रानी दुर्गावती के हाथों में आ गई। रानी दुर्गावती का समय गोंडवाना साम्राज्य का स्वर्ण युग था। एक में राजनीतिक परिवर्तन हुए और पुनः मुगलों ने अकबर के नेतृत्व में मुगल साम्राज्य की उत्तर भारत में पुनर्स्थापना की। गोंडवाना साम्राज्य के वैभव और संपन्नता को देखकर लालची अकबर ने गोंडवाना साम्राज्य को मुगल साम्राज्य में मिलाने के लिए आक्रमण हेत् सेनापति आसफ खान को भेजा। सेनापति आसफ खान के साथ रानी दुर्गावती के 6 युद्ध हुए, जिनमें 5 यद्धों में रानी दर्गावती विजयी रहीं, परंतु छठे युद्ध में आसफ खान के पास तोप खाना आ जाने और रानी दुर्गावती के एक सामंत बदन सिंह के विश्वासघात करने के कारण युद्ध के परिणाम विपरीत होने लगे, तब रानी दुर्गावती ने 24 जून 1564 को अपने महावत के हाथों से कटार लेकर अपना प्राणोत्सर्ग किया। इसके उपरांत दलपति शाह के छोटे भाई राजा चंद्र शाह गोंडवाना साम्राज्य के राजा बने और यह साम्राज्य मुगलों के अधीन आ गया। राजा चंद्र शाह की 11 वीं पीढ़ी में (चंद्र शाह, मधुकर शाह, हरीसिंह, केशरी शाह, नरेंद्र शाह, महाराज सिंह, दुर्जनशाह-निजाम शाह, नरहरि शाह-सुमेर शाह, शंकर शाह) राजा शंकर शाह का जन्म मंडला के किले में हुआ। इनके पिता का नाम सुमेर शाह और दादा का नाम निजाम शाह था। 18 वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में भारत की राजनीतिक परिस्थितियों में आमलचल परिवर्तन आया और मराठाओं ने पेशवा के नेतृत्व में मगलों से गोंडवाना साम्राज्य हस्तगत कर लिया, साथ ही सुमेर शाह मराठों के प्रतिनिधि के रूप में मंडला में राज्य संभालने थे। 1804 में सुमेर शाह की मृत्यु हो गई। 1818 में गोंडवाना साम्राज्य मराठाओं के हाथ से निकल गया, अंग्रेजों ने मंडला को अपने अधीन कर लिया और मध्य प्रांत में मिला लिया। इसके उपरांत राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को जबलपुर में गढ़ा पुरवा के पास के तीन गांवों की जागीर देकर पेंशन दे दी गई। राजा शंकर शाह अंग्रेजों के इस दुर्व्यवहार के विरुद्ध थे और

अंग्रेजों से स्वतंत्रता चाहते थे। आगे चलकर महारथी शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में तोप के मुंह से उड़कर संपूर्ण भारत में किसी भी रजवाड़े परिवार की ओर से प्रथम बलिदान दिया। 19वीं शताब्दी के मध्य तक अंग्रेजों के अत्याचार और अनाचार चरम सीमा पार कर गए थे तथा डलहौजी की हड़प नीति के बाद भारत में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि तैयार हो रही थी, जिसकी जानकारी राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को भी लग गई थी। जबलपुर स्थित गढ़ा पुरवा में मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, सागर, दमोह सहित मध्य प्रांत के के लगभग सभी रजवाड़े परिवार, जमींदार, मालगजार के साथ 52 गढों से सेनानी भी मिलने आने लगे थे। जबलपुर कैंटोनमेंट क्षेत्र से 52वीं नेटिव इन्फेंट्री के सुबेदार बलदेव तिवारी के साथ कई सैनिक राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथ शाह से से मिलने आते थे। राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह ने

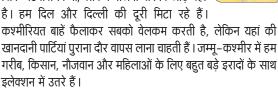
अंग्रेजों के विरुद्ध शक्तिशाली संगठन तैयार कर लिया था। राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने मध्य प्रांत के रजवाडे. परिवार जमीदारों और माल गजारों को एकत्रित करने के लिए रोटी और कमल की जगह दो काली चडियों की पुड़िया, जिसमें संदेश लिखा होता था कि ह्यअंग्रेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चुड़ियां पहन कर घर बैठोह्न युक्ति का प्रयोग किया था. जो रजवाडे परिवार,जमींदार और मालगजार इस पडिया को स्वीकार कर लेते थे तो उसका आशय होता था कि वह अंग्रेजों के विरुद्ध संग्राम में शामिल हैं और जो स्वीकार नहीं करते थे, तो यह मान लिया जाता था कि वह साथ नहीं हैं। उनको संदेश दिया जाता था कि चुड़ियां पहन कर घर बैठो। इस तरह से मध्य प्रांत में राजा शंकर शाह व रघुनाथ शाह के नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध एक मोर्चा तैयार हो गया था। राजा शंकर शाह और रघनाथ शाह का झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे तथा कुंवर साहब से भी संपर्क था।

Social Media Corner

सच के हक में

जम्मू-कश्मीर के चौक-चौराहों पर रौनक देखने को मिल रही है। पर्यटन बढ़ने से लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। कांग्रेस-एनसी-पीडीपी ने 🗾 सिर्फ बंटवारा किया, लेकिन बीजेपी सबको जोड़ रही

से 10 किलोमीटर दूर बसे लसूडिया गांव की है।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नवादा में महादलितों का पूरा टोला जला देना, 80 से ज्यादा परिवारों के घरों को नष्ट कर देना बिहार में बहुजनों के विरुद्ध अन्याय की डरावनी तस्वीर उजागर कर रहा है। अपना घर-संपत्ति खो चुके इन दलित परिवारों की चीत्कार और भयंकर गोलीबारी



की गूंज से वंचित समाज में मचा आतंक भी बिहार की सोई हुई सरकार को जगाने में कामयाब नहीं हो पाए। भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों के नेतृत्व में ऐसे अराजक तत्व शरण पाते हैं – भारत के बहुजनों को डराते हैं, दबाते हैं, ताकि वो अपने सामाजिक और संवैधानिक अधिकार भी न मांग पाएं।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

'चरण' और 'मरण' के कोण में घिरा हरियाणा का रण

रण' और 'मरण' के कोण में घिरा हरियाणा का रण हरियाणा विधानसभा का चुनावी रण इस समय मतदाताओं के 'चरण' और 'मरण' के कोण पर टिका है। हर चुनाव में मतदाताओं की भूमिका सर्वोपरि होती है। उनके चरण जिस पार्टी की तरफ बढ़ते हैं, उसे विजयश्री मिलती है। बाकी को बेरुखी के चरण का खामियाजा भुगतना पड़ता है। उनके सामने पांच साल तक इंतजार करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता। पिछले 10 सालों से प्रदेश की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में इस बार सत्ता की लड़ाई बेहद दिलचस्प। सवाल यह भी है कि क्या भाजपा इस बार भी रण फतेह करेगी। भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान का प्रमुख चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। मोदी अपने चुनावी अभियानों में

भ्रष्टाचार, विकास कार्यों, और

राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को जोर-शोर से उठाते हैं। भाजपा नेता प्रचार में भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों को लगातार उठा रहे हैं। पार्टी मोदी की लोकप्रियता पर भरोसा कर रही है। इसलिए राज्य में पार्टी बिना किसी सीएम फेस के उतरी है। भाजपा बेहतर आर्थिक विकास, रोजगार के अवसर और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जोर दे रही है। इसके अलावा भाजपा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की भी कोशिश में लगी है। अगर भाजपा के बड़े नेता किसानों के मुद्दों पर कुछ अहम घोषणा करते हैं तो आंदोलन के कारण उपजे असंतोष को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार और किसानों के बीच टकराव ने भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाया। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के वोट बैंक पर पड़ सकता है। पार्टी को इस असंतोष से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति पर चलना होगा। इसके

साथ ही खिलाड़ियों के मसले पर

कुछ बड़ी घोषणा करनी पड़ेगी। बार जातीय संतुलन साधने और हरियाणा में खेल और खिलाडी राजनीति में महत्वपर्ण भिमका निभाते हैं। महिला पहलवानों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों, जो यौन उत्पीड़न के आरोपों और न्याय की मांग पर केंद्रित थे, राज्य में भाजपा की छवि को झटका दिया है। भाजपा को इससे उबरने के लिए भी कुछ न कुछ करना होगा। विपक्षी पार्टियां भाजपा के खिलाफ अपने-अपने तरीके से गठजोड़ बनाने की कोशिश कर रही हैं। यदि इन विपक्षी दलों के एकजुट होने का असर जमीन पर दिखता है, तो भाजपा के लिए चुनावी जीत की राह और कठिन हो सकती है। विपक्ष ने जातिगत समीकरणों को साधने की रणनीति तैयार की है। हरियाणा की राजनीति में जातीय समीकरण का बड़ा महत्व है। एक समुदाय, जो राज्य की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, उसका एक बड़ा हिस्सा भाजपा से नाराज चल रहा है। पार्टी को अन्य मतदाताओं पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ रहा है। भाजपा के सामने इस

सभी वर्गों को साथ लाने की बडी जिम्मेदारी है। भाजपा को अपने दम पर अन्य ग्रामीण वोटों को आकर्षित करना होगा। 10 साल की सत्ता के बाद भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का बड़ा खतरा है। वैसे भी सत्ता में रहते हुए किसी भी पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ता है। खासकर, लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरियाणा की 10 में से सिर्फ 5 सीटें मिलीं। विधानसभा चुनाव के इतने नजदीक मनोहर लाल की जगह नए चेहरे नायब सिंह सैनी को सत्ता सौंपी गई। यह फैसला विधानसभा चुनाव में क्या कमाल करेगा, यह मतगणना के दिन ही पता चलेगा। हरियाणा में 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 47 सीटें मिली थीं। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा और उसे सिर्फ 40 सीटें मिलीं, जो बहुमत से कम थीं।

एक साथ चुनाव

पूरे विचार-विमर्श के बाद केंद्रीय कैबिनेट ने एक देश-एक चुनाव का फैसला कर लिया। यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है और बहुत चौंकाता है। देश जब आजाद हुआ था, तब एक साथ सारे चुनाव हुए थे, पर बाद में राज्यों में राजनीतिक उठापटक की वजह से मध्यावधि चुनाव होने लगे और एक साथ चुनाव का क्रम टूट गया। बुधवार को कैबिनेट ने फैसला किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव पूरे देश में एक साथ होंगे। लोग यह भूले नहीं हैं कि यह एनडीए सरकार का एक प्रिय विषय रहा है और इसके लिए सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की थी। इस समिति ने विभिन्न पक्षों से पूरे विचार-विमर्श के बाद सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी, जिसे अब केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी मंजूरी दे दी है। अब पहली नजर में आकलन करें, तो एक देश, एक चुनाव के लिए यहां से जमीनी कवायद शुरू हो गई है। वास्तव में क्या यह काम आसान है। क्या सभी दल और नेता इस फैसले को मान लेंगे। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सत्ता है, वहां तो इस फैसले का खुब विरोध होगा। क्या चुनाव आयोग विरोध का सही उत्तर दे पाएगा। ध्यान देने की बात है कि पूर्व पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में एक साथ चुनाव कैसे कराया जाएगा, इसकी व्यापक रूपरेखा दी गई है। पहले लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव होंगे। उसके बाद 100 दिनों के अंदर हर जगह स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। ऐसा कब होगा, यह तो तय नहीं है, पर इस फैसले को लागू करने के लिए बड़े पैमाने पर परिवर्तन करने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए संविधान में कम से कम पांच या 18 छोटे-बड़े संशोधन करने पड़ेंगे। खैर, पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने ठान लिया है कि देश में चुनाव एक साथ ही कराए जाएंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

When separation of powers takes a hit

THE separation of powers among the executive, judicial and legislative branches of the government is indispensable to ensuring checks and balances, which in turn are essential for democratic governance. This is based on a fundamental principle of democracy — the state is accountable to the people and not the other way around. The people are accountable to the law of the land, administered according to the provisions and processes laid out by the Constitution.In India, the Constitution is not a gift of the state to the people. It is "We the people", as stated in the Preamble, who have given themselves a Constitution whose provisions bind the state.In addition to the separation of powers among the three branches, in a federal state like India, there are also checks and balances for the Centre and the states. The Constitution spells out the jurisdiction of the Centre and the states with respect to various domains. The states prevent overreach in the exercise of power by the Centre and vice versa. The objective is to achieve a diffusion of power of the state in a manner which safeguards the exercise of the fundamental and inalienable rights of citizens without impairing efficient governance. The role of independent and empowered institutions, including those that draw authority from the Constitution, such as the Election Commission, the Comptroller and Auditor General of India or the Union Public Service Commission, is another important safeguard against the arbitrary exercise of power by the state. The political history of India since the adoption of the Constitution on January 26, 1950, has been a saga of inspiring wins for democracy, but also several setbacks. The adoption of the principle of the Basic Structure of the Constitution is an important safeguard against the denial of fundamental rights of citizens by a predatory state. According to this principle, enshrined in the Kesavananda Bharati judgment (April 24, 1973) of the Supreme Court, there are certain fundamental features of the Constitution, such as its supremacy, the rule of law and the independence of the judiciary, which cannot be amended or abrogated by Parliament through a constitutional amendment. This principle has been attacked in recent years, but it must be upheld. Without this principle, it is conceivable that relying on a brute majority, a government could eviscerate the very foundations of Indian democracy.

There are threats to independent institutions which must be resisted. In a brilliant address to the Asiatic Society of Mumbai in December last year, eminent jurist Rohinton Fali Nariman drew attention to the danger in the passage of a law, which laid down the appointment of the Chief Election Commissioner (CEC) of India. According to a Bill passed in December 2023, the CEC would be appointed by a committee comprising the Prime Minister, a Union Cabinet minister nominated by the PM and the Leader of the Opposition (LoP). As Nariman pointed out, this provision means, in effect, that the CEC is appointed by the PM himself since the LoP will always be outvoted two to one. This would severely compromise the independence and neutrality of the CEC and undermine the credibility of the election process. The Bill has been challenged in court. The recent conduct of several Centrally appointed governors has also undermined Centre-state relations, weakened the federal structure and encouraged political horse trading and floor-crossing. Governors have sat on Bills passed by state legislators, openly obstructed the normal functioning of state governments and indulged in blatantly partisan behaviour. This not only undermines democratically elected governments but erodes the very fabric of federalism, without which a highly diverse country cannot be managed. Justice Nariman also touched upon this unhealthy development in his address. While there is the letter of the law which must be followed, there are also the more intangible dictates of constitutional morality and propriety.

Time ripe for the govt to fulfil social security promises

Rising Islamophobia, legal prohibitions and a deepening sense of insecurity have led many Muslims to seek refuge in ghettos.



Following the setback it received in the parliamentary elections, the BJP has set out to deliver in the social services sector to win back popular support. The ruling party is seeking to make good on some of the promises it had made during the election campaign.

What we have to see is if the government has the financial resources and skills to fulfil these promises. Also, perhaps more importantly, what is its record in actually delivering on similar promises it made earlier?

One promise is to make health insurance available to every citizen above 70, with few ifs and buts. This is vital, as the population is getting older. The other is to provide social security to gig workers, who currently have none. Their number is also likely to rise as online shopping increases with the spread of information technology.

The Union Cabinet has just expanded the Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana, touted as the The health premium for the elderly will cost the Centre it applicable to all 70-plus people, irrespective of their income. It will have a cover of Rs 5 lakh per year and benefit around four crore citizens. This scheme will be available even to those who have private insurance 77 lakh people. The premium for the cover will be paid for by the aggregators who use the gig workers' services at 1-2 per cent of revenue. This will help create a social security fund, which will cover workers' health insurance and other benefits outlined in the Code on

Social Security that was passed by Parliament in 2020. It has not been implemented yet as the rules are still being finalised. Why does the government feel confident that it has the resources to go through with these large social programmes? The economy is doing well, remaining the fastest-growing among all the large economies. In the last financial year, it clocked a record 8 per cent growth and remains highly robust in the current year with prospects of over 6 per cent growth. Helping it along is the stock market that ended on a high this mid-month.

There is also no chance of overheating, with inflation remaining within the bounden lines, courtesy in part the monsoon having arrived on time. Hence, the official interest rate is set to remain steady. Under these circumstances, the government has enough financial resources to pay for the outgo of the new project.

world's largest public health insurance scheme, to make Rs 3,437 crore for the latter half of the current financial year and the entire second year. State governments will chip in with 40 per cent of the cost. The social cover for gig workers will, of course, be paid for by the businesses running the show, interestingly called aggregators.

cover. The social security plan for gig workers will cover But much more relevant is how other such programmes have been delivering in the past. Let's make a test case of how the rural employment guarantee programme under MGNREGA (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act) has been faring. An active monsoon and a robust kharif season have led to an

anaemic demand for these low-paid jobs as better-paid farm jobs have become available. Throughout the 2023-24 financial year, the demand for these low-paid jobs kept reducing. Hence, the agriculture sector would appear to be doing fine.

However, independent experts on the programme have a different understanding. They say that there is poor offtake for the low-paid jobs, not because better-paid jobs are available, but because the demand is kept low artificially because of the fund shortage for the programme. When wages are delayed or do not reach beneficiaries on time, they lose interest in the programme. Another allegation, which is quite serious, is that the actual demand is not being met at the panchayat level to keep budgetary outgo within limits.

Bureaucratic systems add to the problem. Technological interventions like Aadhaar card-based attendance systems and GPS tracking of work sites have discouraged workers from seeking employment under this scheme. So, how do we go from here? How can we ensure that the elderly who seek medical service and the young gig workers get benefits of some of these promises? Besides, what we have seen earlier is that financial resources are not the issue.

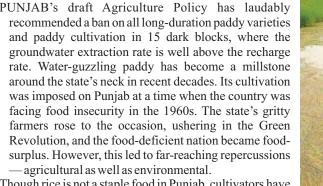
good way to begin is to find out how and why health insurance services are denied and patients sometimes have to go from one hospital to another to find out which one would be willing to admit them. The common complaint on the part of hospitals is that it takes them months to get reimbursements for services delivered under the scheme.

Experts across the country also need to devise a new system that can deliver a modicum of social security to gig workers, for whom it

One way can be to look at how the UK is trying to address the ills of the National Health Service (NHS), considered the grandfather among such national services across the world. The UK Prime Minister has said that the NHS is in a critical condition and warned there will be no fresh funds without reform. Three actions that have been identified are: transition to digital functioning; moving more care from hospitals to communities; and focusing on prevention before people actually need hospitalisation.In India, too, a new health insurance system has been introduced by Narayana Health Hospitals that needs to be scrutinised by both the government and private entities. Its key features are: the insurance policy is provided by a particular hospital; the focus is on preventive care and treatment; and this works out to cheaper costs and premiums. The crux of the matter is that at the first sign of trouble, you go to the hospital and get treatment. It will benefit both the individual and the insurance firms.

Phasing out paddy

Crop diversification vital for Punjab



stuck to paddy farming because of an assured procurement system. What's alarming is the enormous damage caused to the water table. According to doomsday predictions, Punjab — the fabled 'land of the five rivers' — may turn into a desert in two decades. Moreover, the rampant burning of paddy stubble aggravates air pollution in many parts of the northern



region in October-November every year. Successive governments in Punjab have tried measures such as encouraging short-duration paddy varieties and

prohibiting transplantation before the notified date, but these have only been partially successful. Unfortunately, crop diversification has been promoted in a half-hearted manner. Motivating farmers to shun paddy has to go hand in hand with encouraging them to go for alternatives that consume far less water.

In November last year, the Supreme Court had asked the Centre to seriously consider the Punjab Government's suggestion to phase out paddy cultivation and incentivise farmers to switch over to crops such as millets by offering them the minimum support price (MSP) However, the MSP regime remains confined largely to wheat and paddy. This glaring anomaly has to be removed in order to arrest Punjab's desertification. Considering the

state's immense contribution to the Central foodgrain pool, the Union Government must help it turn the tide before it's too late.

Western pressure no deterrent to India-Russia ties

Need to move towards a sane society reasonably free from the virus of sexual violence

AUSTRIAN Chancellor Klemens von Metternich said two centuries ago: "When France sneezes, the rest of Europe catches a cold." The prolonged Russia-Ukraine conflict has made the whole of Europe catch a cold. Does the West now expect even faraway neutral countries like India and other non-partisan, non-Western nations to follow suit? Else, why should the democracy-championing West betray an imperialistic impulse to forcibly draw sovereign nations into Europe's conflict? Why do these countries need to toe the line and pay obeisance to the West? The message was loud and clear in a recent Financial Times report claiming that Russia had built a covert trade channel with India. The report said: "Russia has been secretly acquiring sensitive goods in India and explored building facilities in the country to secure components for its war effort." Elaborating on the modus operandi, the story obviously tried to show India's 'wrongdoing', thereby implying that it was damaging the 'just cause' of Western support to Ukraine against Russia. It was obvious that India was expected to mend its ways and do what the West wanted it to do.

The report, which implied that India and Russia had formed an 'unholy nexus', looked like an open threat with dire consequences for New Delhi. India is being painted as a villain for doing business with Moscow at a time when, in the eyes of the West, Russia is a pariah state. Hence, India is expected to choose between the US-led West and Russia. It is "my way or the highway". And the West wants India to discard Moscow. This is a bizarre and childish mindset, especially if one recalls the statement made by US when he wrote to three of India's top business organisations, warning them that "any foreign financial institution that does business with Russia's military industrial base risks being sanctioned itself." Perhaps the White House fails to see the irreparable damage being inflicted on America's global interests and the implacable hatred and hostility being generated towards Washington. This reckless business of sanctions will not lead US very far. It is instantly turning even a traditional friend into a potential foe. It smacks of unacceptable duplicity, hateful hypocrisy and inherent insincerity of the US of yore; the post-World War II Washington of Bretton Woods and the Marshall Plan — the mastermind and financier for the reconstruction of Europe. How would US arms company General Dynamics (the original maker of F-16 fighter aircraft from the 1970s) and the supplier of Patton tanks have reacted if they had got an 'open threat' from India with regard to defence contractors doing business with military dictators of Pakistan? One wonders how the US or Europe could not be aware that over the past seven decades, the Moscow-Delhi defence partnership has flourished in the best and worst of times. Logically, therefore, if India keeps buying defence equipment from Russia, what stops Moscow from purchasing military hardware from Delhi? Is India party to the Russia-Ukraine conflict? Is Delhi instigating and playing one against another? Can India's bona fide bilateral economic, commercial and military transactions with a friendly Russia be scuttled by the US, which is also a friend of Delhi?

Deputy Treasury Secretary Wally Adeyemo in July, The Joe Biden administration must not forget the



catastrophic damage done by Richard Nixon and Henry Kissinger to the India-US ties in the 1970s and beyond. Let the sordid past remain buried in the annals of history. Do not reopen it. Mutual trust and respect are a must. It took several years to heal the wounds of humiliation — the American duo had used abusive language while referring to then Prime Minister Indira Gandhi — and revive robust relations between two great democracies.

True, the ongoing conflict in Europe is a matter of grave concern for the world. But the primary responsibility to stop the bloodshed lies with the nations that are members of NATO and/or EU, and not with distant neutral nations. It again boils down to the fundamental folly being repeated by the West. Sanctions are proving to be the prime cause for the decimation of a globalised economy and the interlinked chain of economics assiduously built

over five decades through the 'free trade'

theory. The US should remember that globalisation and sanctions are contradictory and mutually self-defeating. The former is a boon, the latter a bane. It will be most damaging for the globalised dollar and the universally accepted Belgium-based bank transaction system SWIFT (Society for Worldwide Interbank Financial Telecommunication). Yet, the US treasury "routinely orders banks to freeze wire transfers that look suspicious or in breach of sanctions," resulting in Russian President Vladimir Putin's prescient 2018 statement: "We are not aiming to ditch the dollar. The dollar is ditching us." Thus

arises the need to skirt the greenback. Either way, time will reveal the repercussions of the story that could be anything but positive for 'the dollar that once was'. In the long term, the US is fairly and squarely creating a self-goal scenario.

Today, SWIFT handles 40 per cent of its payments in USD. Yet, it has to follow the diktats of America, thereby disrupting its business. The "business of the US threat" to India is also a bad omen. New Delhi is a friend of Washington. And Russia does not object to India's bonhomie with the US. Did Moscow express displeasure when India opted for Boeing, Lockheed or the Raytheon weapon system? Why, then, does the US employ archaic gunboat diplomacy of threats, sanctions and boycott of allies? Is America going against its own interests? Is the arm-twisting era of Kissinger back to hunt and haunt India?

Friday, 20 September 2024

Cisco cuts thousands of jobs in second biggest layoff of **2024**: Report

New Delhi US tech giant Cisco has laid off thousands of employees in what is reported to be the company's second major job cut this year. According to a TechCrunch report, Cisco is cutting around 5,600 jobs, or 7% of its workforce, as part of its ongoing effort to manage costs amid falling demand and to focus on its investments in artificial intelligence (AI). This latest round of layoffs follows a previous cut in February when Cisco let go of about 4,000 employees. The company's decision has left many employees uncertain, with reports indicating that Cisco did not disclose exactly which departments or teams would be impacted until mid-September. The layoffs are part of a wider trend in the technology sector, where companies are cutting jobs to deal with economic challenges and a

In total, over 136,000 tech employees have been laid off across 422 companies in 2024, according to industry data. Cisco's workforce was approximately 85,000 before these layoffs. Despite the layoffs, Cisco remains optimistic about the future of its business. CEO Chuck Robbins said the company expects a rebound in demand for its networking equipment in the coming months.

As part of its strategy, Cisco is restructuring its business to focus on high-growth areas, including artificial intelligence and cybersecurity. To strengthen its position in AI, Cisco has allocated \$1 billion to invest in AI startups. Additionally, the company made a major move into the cybersecurity sector with its \$28 billion acquisition of cybersecurity firm Splunk earlier this year. These investments are part of Cisco's broader effort to shift its focus from traditional networking equipment to emerging technologies and subscriptionbased services. Cisco is expecting to face significant costs as it undertakes its restructuring plan. The company estimates that it will incur expenses of up to \$1 billion before taxes, with between \$700 million and \$800 million of that amount expected to be recognised in the first quarter of its fiscal year.

EY India commits to providing 'healthy workplace' after mother says daughter died of overwork

NEW DELHI After a mother's anguished letter following the tragic death of her 26-year-old daughter and Ernst & Young (EY) employee Anna Sebastian Perayil, the company has issued a statement highlighting its "commitment to employee wellbeing."The letter that blamed the intense workload and pressures in the corporate sector for Anna's death has brought significant attention to issues surrounding workplace culture and the challenges faced by young professionals. Having joined the firm on March 19, 2024, Anna had passed away just four months later on July 20, 2024. In a poignant letter addressed to EY India Chairman Rajiv Memani, Anna's mother, Anita Augustine, condemned the firm for fostering an environment that glorifies overwork.

She described her daughter as a high achiever who had recently passed her Chartered Accountant (CA) exams with distinction. Despite her excitement about starting her career, Anna reportedly faced overwhelming stress and anxiety due to excessive workloads and relentless demands. Anita highlighted that Anna often worked late into the night and on weekends, taking on additional tasks beyond her official responsibilities.

'She confided in us about the overwhelming workload," Anita wrote. "I urged her not to take on such tasks, but the pressure from managers was relentless. "In response EY released a statement expressing deep sorrow and extending condolences to her family. They acknowledged her brief tenure in the Audit team at S R Batliboi, a member firm of EY Global, and described her passing as an "irreparable loss". The firm emphasized their commitment to supporting the family and assured that they are taking the concerns raised seriously."We are deeply saddened by Anna Sebastian's tragic and untimely passing in July 2024, and our deepest condolences go to the bereaved family. Anna was a part of the Audit team at S R Batliboi, a member firm of EY Global, in Pune for a brief period of four months, joining the firm on March 18, 2024. That her promising career was cut short in this tragic manner is an irreparable loss for all of us," the statement read.

In the statement EY said that they are dedicated to the well-being of all employees, stating they will continue to seek improvements to foster a healthier workplace for their staff across India.

SpiceJet QIP gets huge response, overbooked

NEW DELHI. SpiceJet's Rs 3,000 crore qualified institutions placement (QIP) has received an overwhelming response and attracted investment from family offices of Madhu Kela, Akash Bhanshali, Sanjay Dangi, and Rohit Kothari.

Further, investors in the placement includes big names such as Tata Mutual Fund, Bandhan Bank, Discovery Fund, Plutus, and Jupiter Fund Management. According to sources, the QIP was oversubscribed on Day 1 itself. "The total offers received exceed Rs 3,000 crore, underscoring the strong confidence and interest in the company's growth prospects," said a source aware with the development."Renowned



investors, including family offices and institutional funds, have participated in the QIP, further solidifying the positive sentiment towards SpiceJet. Notable investors include family offices of Madhu Kela, Akash Bhanshali, Sanjay Dangi, Rohit Kothari, as well as Discovery Fund, Plutus, Jupiter Fund Management, Think Investments, Tata Mutual Fund, and Bandhan Bank.

FM introduces pension scheme for children, parents can enrol in bank

To open a Vatsalya account, a minimum initial contribution of Rs 1,000 is required, followed by an annual contribution of Rs 1,000.

NEW DELHI. Finance minister Nirmala Sitharaman on Wednesday introduced NPS Vatsalya scheme, enabling parents to invest in a pension account for their children. Parents can enrol in the scheme either online or by visiting a bank or post office. To open a Vatsalya account, a minimum initial contribution of Rs 1,000 is required, followed by an annual contribution of Rs 1,000. "NPS has generated very competitive returns and offers option to people to save while ensuring future income," Sitharaman said. This saving-cum-pension scheme is



regulated and administered by the Pension Fund Regulatory and designed to allow parents to invest in a pension account for their minor children.

All Indian citizens below the age of 18 are eligible for the NPS Vatsalya scheme. Development Authority (PFRDA) and is An account can be opened in the name of the minor, but it must be operated by a guardian, ensuring that the minor is the easily open the NPS Vatsalya account either online or through physical channels, including major banks and India Post, all of which are registered with PFRDA. A list of Point of Presence (POPs) can be accessed on the PFRDA

Account Opening Requirements

To open an NPS Vatsalya account, guardians must provide proof of the minor's date of birth, which can include documents like a birth certificate, school leaving certificate, or passport. Additionally, the guardian must submit their KYC documentation, including proof of identity and address such as Aadhaar or a driving licence.A Permanent Account Number (PAN) or a Form 60 declaration is also required. For guardians who are non-resident Indians (NRIs) or overseas citizens of India (OCIs), a NRE/NRO bank account for the minor is necessary.

HAL, IRFC, BHEL stocks fall:

Here's why PSU stocks are

under pressure

US Fed cuts rates by 50 bps: How will it affect Indian stock market

NEW DELHI The US Federal Reserve has cut its key interest rate by 50 basis points, bringing it down to 4.75-5%. This is the first time the Fed has reduced rates since 2020, and it has been done to address slowing economic growth and easing inflation in the US.The move has raised concerns about the stability of the US economy, and the impact is expected to be felt in markets across the world, including India. While the markets opened on record highs with Nifty breaching the 25,500 mark for the first time, will the market rally continue?

Short-term volatility expected

Experts believe that in the short term, the Indian stock market might experience some ups and downs. This is because changes in US interest rates often lead to adjustments in global markets, and investors may react to the uncertainty.

However, India's strong economic position could still attract overseas investments, which may benefit the stock market in the long run.

Swapnil Aggarwal, Director of VSRK Capital, said, "In the short term, the Indian market may face some volatility, but in the medium to long term, India could still attract overseas

investment due to its economic prospects. This would be good for the stock markets."

The rate cut could also have an effect on Indian exports, particularly in sectors like IT services that are heavily dependent on the US market. If the US economy slows down further, it could reduce demand for Indian goods and services. This might hurt India's export earnings.Aggarwal also pointed out that a slowdown in the US economy would mean reduced demand for Indian exports, especially in IT services. This could weigh on India's overall export performance.

Indian Rupee and capital flows

On the positive side, a stronger Indian rupee and potential capital inflows could benefit India in the short term. A

stronger rupee makes imports cheaper and can improve the country's trade balance. However, these benefits might not last if the US economy continues to struggle. According to experts, the Reserve Bank of India (RBI) might also consider cutting interest rates to keep pace with the global trend. Some analysts suggest the RBI could lower rates by 25 to 50 basis points before 2025, though this will depend on how the US economy evolves and how global investors adjust their portfolios

Caution in banking and financial sectors The performance of banking and financial stocks will be key in determining how the Indian market reacts to the US Fed's decision. While rate cuts generally help boost markets, a cut of this size can also signal concerns about the economy, which may dampen investor confidence. Palka Arora Chopra, Director of Master Capital Services Ltd, said, "A 50 basis points reduction signals major concerns about the economy. While rate cuts are usually good for markets, a large cut like this is seen as a sign of economic trouble, which can lower

NEW DELHI Public Sector Undertaking (PSU)

stocks across the defence, railway, and nonbanking financial company (NBFC) sectors took a hit today, with shares falling by as much as 6%. This comes even as India's benchmark indices, Sensex and Nifty, rose on the back of higher-than-expected interest rate cuts by the US Federal Reserve. The selling in PSU stocks was broad-based, with many seeing price corrections due to concerns about high valuations and a shift in investor focus to other market segments. A majority of the PSU stocks, especially from the defence and railway sectors, were under pressure. Out of 59 stocks in the PSU index, only 4 were trading higher today. Shares of Oil India fell by 5.92%, ending the day at Rs 559.55.Hindustan Aeronautics Ltd (HAL), a key defence stock, saw a 4.61% drop, closing at Rs 4,232 on the Bombay Stock Exchange (BSE). As a result, the BSE PSU index dipped by 1.5%.

ajit Mishra, Senior Vice President of Research at Religare Broking Ltd, explained, "The PSU basket has seen a remarkable rally in recent years, and many stocks are now undergoing a natural correction. This is likely to continue for some time."Several other major PSU stocks saw sharp declines. BEML Ltd fell by 4.95% to Rs 3,564, while Bharat Dynamics Ltd and Cochin Shipyard Ltd each dropped by 5%. REC Ltd's share price dipped by 4% to Rs 523.70, and Power Finance Corporation (PFC) declined by 3.5%, closing at Rs 473.80.Nalco, MRPL, HUDCO, Indian Railway Finance Corporation (IRFC), Bharat Heavy Electricals Ltd (BHEL), and GAIL all saw their shares drop by more than 3%. Other companies such as Mazagon Dock Shipbuilders, SAIL, IRCON International Ltd, and IRCTC were also down by up to 3%. High valuations leading to corrections

Analysts believe that the sharp fall in PSU stocks can be attributed to their high valuations. Many companies in sectors like defence, railways, and capital goods had rallied in recent years, driven by expectations of strong earnings growth. However, these high valuations are now leading to price corrections.

Mishra from Religare Broking further said, "Sectors such as defence, railways, and capital goods are trading at high valuations, which are based on expectations of strong earnings growth. Investors need to be cautious because if these expectations are not met, it could negatively impact stock valuations."Midcap and Smallcap PSUs under pressure

Many of the PSU stocks that fell today are part of the midcap and smallcap segments of the market, which have been under pressure lately. In contrast, largecap stocks have been performing better, as investors are now shifting their focus toward these more stable and less volatile

OTT communication apps excluded from authorisation regime

NEW DELHI: Despite demands from telecom service providers to bring them under licencing, the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has excluded over-the-top (OTT) communication apps such as WhatsApp and Telegram from its new authorisation regime.

The regulatory body on Wednesday released the recommendations on the Framework for Service Authorisations to be granted under the Telecommunications Act, 2023. Telecom service providers such as Reliance Jio, Bharti Airtel and Vodafone Idea demanded to bring OTT services like WhatsApp, Telegram and Skype under regulation, referencing the Act. They argued that the bill's broad definition of "message" could encompass OTT communication services."These recommendations are aimed at a major revamp of existing telecommunication service licencing

regime and at fostering growth and enhancing ease of doing business in the sector. Through these recommendations, TRAI has



recommended a new service authorisation framework, apart from detailed terms and conditions of various service authorisations to be granted under the Telecommunications Act, 2023," rads the recommendation. TRAI merged commercial VSAT-CUG and GMPCS services into a single authorisation, dubbed 'Satellite-based

Telecommunication Service Authorization'. Additionally, TRAI suggested reducing the licence fee. It has suggested reducing licence fee for

various telecommunication services

including a major reduction in entry tees for different service authorisations. This is expected to encourage new entrants and boost competition. To achieve the objective of 'One Nation - One Authorisation', TRAI has introduced the Unified Service Authorisation. Entities holding this authorisation can provide a wide

range of telecommunication services including mobile, internet, broadband, landline, long-distance, satellite communication, and M2M services on pan-India basis. Merging of bank guarantees and replacing affidavit with a self-certificate is expected to simplify procedures and enhance the ease of doing business.

Explained: What US Fed's 50 bps rate cut means for Indian economy

New Delhi. The US Federal Reserve cut Meanwhile, Dr. V K Vijayakumar, its benchmark interest rate by an Chief Investment Strategist at unexpected 50 basis points (bps) on Wednesday, a move that caught many by surprise. The Fed's decision signalled a shift towards easing monetary policy, with experts divided on its implications for the global economy, including India.Here's a detailed look at how the bigger-than-expected rate cut could impact the Indian economy and the broader market. The 50 bps rate cut was unexpected for most market participants who had anticipated a smaller 25 bps reduction. According to Apurva Sheth, Head of Market Perspectives at SAMCO Securities, the decision sparked mixed reactions in the market, with initial volatility calming down to modest gains by the end of the trading session.

Sheth added that the Fed's primary goal was to support the labour market, which has shown signs of stress. He suggested that investors focus on defensive sectors such as FMCG and pharmaceuticals, while also considering the potential of precious metals like gold and silver until there's more clarity on market direction.

Geojit Financial Services, described the Fed's move as one that could push equity markets into a consolidation phase.He pointed out that Fed Chair Jerome Powell's optimistic remarks on inflation reaching the 2% target were well-received, especially considering the solid US economic growth and robust labour market.For India, this could mean more accommodative

policies in the near future. Vijayakumar expects that the US Federal Reserve's aggressive cuts will pave the way for the Reserve Bank of India to lower interest rates. With India's consumer price inflation (CPI) already easing below the RBI's 4% target, two potential rate cuts of 25 bps each by March 2025 seem likely. He noted that the banking sector, particularly ratesensitive industries, could see favorable As interest rates fall, bank deposits may conditions as interest rates decline, benefiting sectors such as infrastructure.

Vijay Bharadia, Founder of Wallfort Financial Services Ltd, also agreed that



the rate cut marks a bold move that may encourage other global central banks, including the Reserve Bank of India (RBI), to adopt a softer monetary stance.

Ie pointed out that rate cuts would benefit leveraged sectors such as metals and infrastructure. However, the rate cut might put pressure on India's banking sector, especially with a declining CASA (current account savings account) base.

become less attractive to customers, affecting banking profitability in the medium term.Deepak Ramaraju, Senior Fund Manager at Shriram AMC, echoed similar concerns. He believes that while the Fed's 50 bps rate cut may bring relief to equity markets, the domestic banking sector could face challenges due to outbound flows of foreign institutional investments (FII) in the short term.

Nevertheless, a weakening US dollar could draw capital back into India, stabilising markets by the end of the

Impact on bonds and rupee

Suman Chowdhury, Chief Economist at Acuité Ratings & Research, highlighted the potential impact on India's bond market. A cut in the US interest rate could increase foreign capital inflows into the Indian debt market, leading to lower domestic bond yields, Chowdhury said.

India's 10-year g-sec yield, which has already dropped below 6.8%, could fall further, benefiting both government borrowing and the corporate bond market, he noted, adding that lower borrowing costs could encourage Indian banks and infrastructure companies to issue long-term bonds, increasing fund mobilisation options.

Centre To Share Information With Supreme Court On Collegium Resolutions

The submissions to this effect were made by Attorney General R Venkataramani before a bench headed by Chief Justice D Y Chandrachud.

New Delhi: The Centre on Thursday told the Supreme Court that it will be providing some details next week concerning the collegium's recommendations on the appointment of chief justces in several high courts in the country. The submissions to this effet were made by Attorney General R Venkataramani before a bench headed by Chief Justice D Y Chandrachud while seeking an adjournment of the hearing on a PIL which is listed for hearing on Friday."I will be providing some details about the collegium's recommendations. Please list the plea (which is listed on Friday) after a week," the top law officer told the bench which also comprised justices J B Pardiwala and Manoj Misra.

The bench said the submissions for the adjournment can be made on Friday itself as the matter is already on board.Meanwhile, the CJI told the top law

officer that the Jharkhand government has filed a contempt petition against the Centre for not appointing the Chief ustice in the high court in the state. The Hemant Soren-led JMM government has moved the top court against the Centre for not clearing the recommendation made by the Collegium to appoint Justice M S Ramachandra Rao as the Chief Justice of the Jharkhand High Court."I am not aware," the top law

officer said. Earlier, the attorney general on September 13 told the bench that the central government had received some "sensitive material" that had led to a delay in implementation of the apex court collegium's recommendations on appointments of chief justices to high courts. The top law officer said he received



certain inputs from the Union government which are sensitive in nature and revealing them in the public domain would neither be in the interest of the institution nor of the judges involved."I would like to place the inputs and my suggestions in a sealed cover for perusal by the judges," Venkatramani had told the bench. The PIL filed by

advocate Harsh Vibhore Singhal was then posted for hearing on September 20. Singhal has sought a direction that a time limit be fixed for the Centre to notify the appointment of judges recommended by the apex court collegium.It has also sought a direction to plug the 'zone of twilight' of there being no time for notifying the collegium's recommendations for the appointment of judges to the higher judiciary.

The plea said that in the absence of a fixed period, "the government arbitrarily delays notifying appointments thereby trampling upon judicial independence, imperilling the constitutional and democratic order and disparaging the majesty and sagacity of the court". The plea said if any name is not objected to or the appointments are not notified by the end of such a fixed period, then appointments of such judges must be taken as notified. The three-member collegium headed by the CJI, on July 11, recommended to the Centre the names for the appointment of chief justices for seven high courts namely Delhi, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Ladakh, Kerala, Madhya Pradesh, Madras and Meghalaya. The recommendations are pending approval with the Centre. The Supreme Court collegium, on July 17, tweaked its July 11 resolution relating to the appointment of the chief justices for the high courts of Madhya Pradesh, Himachal Pradesh, and Jammu and Kashmir and Ladakh.Listen to the latest songs, only on JioSaavn.com

There were speculations that tweaking of the collegium's July 11 resolution took place apparently after the Centre shared some crucial information with the collegium.

7 dead, 11 injured in truck-auto collision in Madhya Pradesh

New Delhi: Seven people, including a 3-year-old, were killed, and 11 others wounded when a truck collided with a three-wheeler autorickshaw in Madhya Pradesh's Jabalpur district on Wednesday. According to the police, a heavy vehicle dragged a loading auto for approximately 100 meters before overturning and landing on a three-wheeler near Lunji village on the Sehore-Majhgawan road at around 3:30 pm, news agency PTI reported. Soon after the incident, the police arrived at the scene and sent the injured to the nearby



hospital in Sihora for treatment.The dead have been identified as Shobharam (35), son of Chotu; Usha Bai (50), wife of Kothari Adivasi; Shivakul (18),

son of Rajesh Kol; Kallu Bai (30), wife of Shobharam; Ranu Kol (19), wife of Karan; Karan (20), son of Pardeshi Kol; and little Bhura Kol (3), son of Shobharam Kol. Those injured included six men and four women. All those dead and wounded were residents of Pratappur village.Expressing grief over the incident, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav announced financial aid of Rs 2 lakh each to the families of the victims from his discretionary grant and Rs 50,000 to the injured."I express condolences to the bereaved families in this hour of grief," he stated on X.Meanwhile, the police have arrested the truck driver and started their investigation. Bystanders immediately informed the police about the accident and rushed to rescue those trapped under the truck.

Rape case against Karnataka BJP MLA arrested for issuing death threats

New Delhi:A rape case has been registered against Karnataka BJP MLA Munirathna, who is already behind bars in connection to other cases for alleged harassment, death threats and casteist abuse. The alleged incidet took place at a private resort near Bengaluru. The rape case against the MLA and six others was filed on Wednesday night based on a complaint made by the rape survivor. police officer said "the case was registered under various sections for rape by public servant, sexual harassment, criminal intimidation, criminal conspiracy, voyeurism, intentional insult with intent to provoke breach of peace", reports news agency PTI.

He said a probe into the incident is currently



underway. The latest development came days after Munirathan, an MLA from the Rajarajeshwari Nagar Assembly seat, was sent to police custody following his arrest for allegedly threatening a contractor and using casteist slurs against him.

The two previous cases against the MLA were filed in Bengaluru on September 13. He was arrested from Kolar. The first case involved issuing a death threat and four individuals, including Munirathna, were named in the FIR. The second case charged Munirathna with casteist abuse against the contractor. The contractor had released an audio clip during a press conference, claiming that Munirathna harassed him for a bribe.

Employee blames rats for hole in Delhi-Mumbai highway, company fires him

to be a part of the Delhi-Mumbai

stated that rats were responsible for the caving in the portion of road in Rajasthan's Dausa district. The employee, claiming to be the Maintenance Manager, was a junior staff member of KCC Buildcon. The firm clarified the situation in a letter to the National Highway Authority of India (NHAI). The firm stated that the comment was made by a junior employee who had no technical understanding regarding the project and

confirmed that he had been terminated from the company. "The employee is not the maintenance manager; comments made were not based on

New Delhi: An employee who claimed technical understanding," the company stated in the letter. Expressway project was fired after he "It's likely that a rat or some small animal



dug a hole, allowing water to seep through," the employee told India Today earlier. Meanwhile, as per the project director of the expressway in Dausa, Balveer Yadav, the road caved in due to a water leak. As soon as the contractor got information about the matter, he immediately barricaded the

area, and the pothole was repaired, Yadav said. The Delhi-1,386 kilometers, is the country's longest expressway, designed to cut travel time between the two cities from 24 hours to just 12-13 hours. The expressway traverses multiple states, including Haryana, Rajasthan, Madhya Pradesh, Gujarat, and Maharashtra. As of July 31, Union Minister for Road Transport and Highways

Nitin Gadkari informed the Rajya Sabha that 80 percent of the project is complete, with at least one more year required for its full completion.

Coast Guard ship Sujay reaches Bali, to take part in various maritime activities

Additionally, 10 National Cadet Corpse (NCC) members aboard ICGS Sujay will participate in an environmental

protection walkathon towards sensitising the community on the ill-effects of 'marine pollution' in collaboration with local youth organisations.

Mumbai Expressway, spanning New Delhi:Indian Coast Guard (ICG) Offshore Patrol Vessel Sujay, with an integral helicopter, made a port call at Bali, Indonesia on September 18, 2024, for a three-day visit, as part of its ongoing overseas deployment to East Asia. During its stay in Bali, the crew of ICGS Sujay will engage in professional interactions with Badan Keamanan Laut Republik Indonesia (the Indonesian Maritime



Woman Says Daughter Died Of "Overwork" At EY India, Company Responds

New Delhi: Facing criticism over the viral letter of a woman who alleged that her 26-year-old daughter had died of "overwork" just four months after joining Ernst & Young, the consulting firm promised to make efforts to make the work environment healthier. "We are deeply saddened by Anna Sebastian's tragic and untimely passing in July 2024, and our deepest condolences go to the bereaved family," Ernst & Young, which is

among the Big 4 consulting firms, said in a statement Wednesday. he company said they are providing all the assistance to the family and would find ways to improve and provide a healthy workplace to its employees.

Vhile no measure can compensate for the loss experienced by the family, we have provided all the assistance as we



always do in such times of distress and will continue to do so".

'We are taking the family's correspondence with the utmost seriousness and humility. We place the highest importance on the well-being of all employees and will continue to find ways to improve and provide a healthy workplace for our 100,000

people across EY member firms in India", the firm added.A letter written by the woman's mother to EY India Chairman Rajiv Memani was in wide circulation on social media on Wednesday. In the letter, she claimed that her daughter died of "overwork" just four months after joining the company and no one from the organisation attended her funeral. She also describe how her daughter was thrilled to be part of EY as it was her first job. "She was

full of life, dreams, and excitement for the future. EY was her first job, and she was thrilled to be part of such a prestigious company. But four months later, on July 20th, 2024, my world collapsed when I received the devastating news that Anna had passed away. She was just 26 years old," she wrote.

Security Agency), focusing on operational turn around, marine pollution response, maritime search and rescue and maritime law enforcement.

The coast guards of both countries will also engage in activities like cross-deck training, joint yoga sessions and friendly sports events.

Additionally, 10 National Cadet Corpse (NCC) members aboard ICGS Sujay will participate in an environmental protection walkathon towards sensitising the community on the ill-effects of 'marine pollution' in collaboration with local youth organisations.ICG, on July 06, 2020, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with BAKAMLA to enhance maritime cooperation and institutionalised its cooperative engagements.rior to the visit, ICGS Sujay had made port calls to Jakarta, Indonesia and Incheon, South Korea, demonstrating a seamless continuation of diplomatic maritime engagements in the region. The ship's deployment to East Asia reflects India's commitment to fostering warm relations with Indo-Pacific countries, promoting friendly relations through maritime cooperation.

Villages relocated for Jewar airport construction flooded after rain

After local MLA Dhirendra Singh intervened and spoke with the authorities, the drainage of water and unclogging of drains started in the villages.

New Delhi: The villages that are being relocated for the construction of an international airport in Jewar near Delhi have been inundated for the last five days due to incessant rains. After local MLA Dhirendra Singh intervened and spoke with the Yamuna Expressway Industrial Development Authority, Public Works



Department (PWD) and irrigation department officials over the phone, the administration constituted a fivemember committee to get rid of the problem."The response of officers concerned over the complaints of villages being inundated with storm water is being really lethargic. This is not the way to treat the farmers who have

given their land for the construction of an international airport in the area. If the area is facing waterlogging, all officers concerned should deal with it immediately. They cannot leave the villagers on their own fate", said Jewar MLA Dhirendra Singh. After the intervention from the higher officials, the drainage of water and unclogging of received information about continuous waterlogging due to heavy rains in some villages in Jewar. We found that the drainage system was blocked at many points. We have started rectifying the problems and the water has started receding from the area. In a couple of days, all the water will be drained out of the villages", Gautam Budh Nagar District Magistrate Manish Verma said. This came a week after Chief Minister Yogi Adityanath conducted a site inspection of the airport and sought to address issues related to land acquisition for the mega project. He also directed officials to ensure that "no outsiders mislead the villagers" about the land acquisition process.Once all four phases are completed, the Jewar airport will have a capacity to handle 70 million passengers per year. The concession period for the airport, which commenced on October 1, 2021, will run for 40 years.

Pak minister on Article 370 restoration: On same page with Congress alliance

World. Pakistani defence minister Khawaja Asif has said that the Shehbaz Sharif government and the Congress-National Conference alliance were on the same page on the issue of restoration of Article 370 in Jammu and Kashmir. The remark comes in the midst of Assembly elections in J&K, the first since the erstwhile state's special status was scrapped in 2019. In an interview with Geo News, Khawaja Asif said there was a "high chance" that the Congress-National Conference alliance would win the Assembly polls and come to power in the Union Territory."They (the alliance) have made it an election issue. Pakistan and the National Conference-Congress alliance are on the same page in Jammu and Kashmir to restore Article 370 and 35A," Asif said. While the National Conference has vowed to restore Article 370, the Congress has been completely silent about it and has not even mentioned it in its manifesto. The Congress has, however, promised its commitment towards restoring full statehood status to Jammu and Kashmir.

The revocation of Article 370 and bifurcation of the erstwhile state into two union territories has remained an emotive issue for the people of Jammu and Kashmir, particularly those in the Valley. The restoration of Article 370 has prominently featured in the manifestos of the National Conference and Mehbooba Mufti's PDP.

India abstains from UN resolution to end Israel's occupation of **Palestine**

World India abstained from voting in the United Nations General Assembly (UNGA) on Wednesday, as the 193-member body passed a resolution demanding that Israel end its unlawful presence in the occupied Palestinian territories within 12 months. The resolution received 124 votes in favour, 14 against, and 43 abstentions, news agency PTI reported. Among the nations abstaining were key players like Australia, Canada, Germany, Italy, Nepal, Ukraine, and the United Kingdom. Those opposing the resolution included Israel and the United States, who have consistently defended Israel's policies in the region. The resolution, officially titled "Advisory Opinion of the International Court of Justice on the Legal Consequences Arising from Israel's Policies and Practices in the Occupied Palestinian Territory, including East Jerusalem", calls for Israel to "bring to an end without delay its unlawful presence" and notes that Israel's continued actions constitute a "wrongful act of a continuing character" that must be addressed under international law.The international community cannot look away while international law is repeatedly violated," said the Palestinian representative to the UN in a moving speech, calling for immediate action. The resolution also disapproved what it described as Israel's "continued and total disregard" of its obligations under international law, adding that such breaches threaten regional and global peace. Israel's ambassador to the UN, Gilad Erdan, rejected the resolution, calling it "another politically motivated move designed to undermine Israel's legitimacy." The US also expressed concerns, stating that the resolution "will not contribute to peace but instead exacerbate tensions in the region."

Social media posts falsely claim explosives found near Trump's New York rally

New York. Law enforcement officials on Long Island worked quickly on Wednesday to publicly knock down social media posts falsely reporting that explosives had been found in a car near former President Donald Trump's planned rally in New York. The false reports of an explosive began circulating hours before the Republican presidential nominee's campaign event at Nassau Coliseum in Uniondale, just days after he was apparently the target of a second possible assassination attempt.Nassau County Police Commissioner Patrick Ryder said police questioned and detained a person who "may have been training a bomb detection dog," near the site of the rally and "falsely reported explosives being found."Lt. Scott Skrynecki, a spokesperson for the county police, said in follow-up messages that the person, who police have not yet identified, was a civilian and not a member of a law enforcement agency.He also said the person was not working at or affiliated with the event, which is expected to draw thousands of Trump supporters to the arena that was formerly the home of the NHL's New York Islanders.

The rally is Trump's first on Long Island, a suburban area just east of New York City, since 2017.In 2020, President Joe Biden defeated Trump by a roughly 4 per cent margin on Long Island, besting him in Nassau County by about 60,000 votes, though Trump carried neighbouring Suffolk County by more than 200 votes.Earlier on Wednesday, Skrynecki and other county officials responded swiftly to knock down the online claims, which appear to have started with a post from a reporter citing unnamed sources in the local police department. The claims were then shared widely on X, formerly Twitter, by a number of prominent accounts.

Iranian hackers sent stolen Trump campaign information to Biden's team: Report

Washington Iranian hackers sought to interest President Joe Biden's campaign in information stolen from rival Donald Trump's campaign, sending unsolicited emails to people associated with the then-Democratic candidate in an effort to interfere in the 2024 election, the FBI and other federal agencies said Wednesday. There's no indication that any of the recipients responded, officials said, and several media organizations who have said they also were approached with stolen material did not publish it. Kamala Harris' presidential campaign called the emails from Iran "unwelcome and unacceptable malicious activity" that were received by only a few people who regarded them as spam or phishing attempts. The emails were received before the hack of the Trump campaign was publicly acknowledged, and there's no evidence the recipients of the emails knew their origin. The announcement is the latest US government effort to call out what officials say is Iran's brazen, ongoing work to interfere in the election, including a

hack-and-leak campaign that the FBI and other federal agencies linked last month to Tehran.US officials in recent months have used criminal charges, sanctions and public advisories to detail actions taken by foreign adversaries to influence the election, including an indictment targeting a covert Russian effort to spread pro-Russia content to US audiences. It's a stark turnabout from the government's response in 2016, when criticised for not being forthcoming about the Russian interference they were seeing on Trump's behalf as he ran against Democrat Hillary Clinton. In this case, the hackers sent emails in late June and early July to people who were associated with Biden's campaign before he dropped out. The emails "contained an excerpt taken from stolen, non-public material from former President Trump's campaign as text in the emails," according to a statement released by the FBI, the Office of the Director of National Intelligence and the Cybersecurity and Infrastructure Security Agency.



Obama administration officials were The agencies have said the Trump campaign hack and an attempted breach of the Biden-Harris campaign are part of an effort to undermine voters' faith in the election and to stoke discord. The FBI informed Trump aides within the last 48 hours that information hacked by Iran had been sent to the Biden campaign, according to a senior campaign official granted anonymity to speak because of the sensitive nature of the investigation. The Trump campaign disclosed on August 10 that it had been hacked and said Iranian actors had stolen and distributed sensitive internal documents. At least three news outlets — Politico. The

New York Times and The Washington Post were leaked confidential material from inside the Trump campaign. So far, each has refused to reveal any details about what it received. Politico reported that it began receiving emails on July 22 from an anonymous account. The source — an AOL email account identified only as "Robert" passed along what appeared to be a research dossier that the campaign had apparently done on the Republican vice presidential nominee, Ohio Senator JD Vance. The document was dated February 23, almost five months before Trump selected Vance as his running mate.In a statement, Harris campaign spokesperson Morgan Finkelstein said the campaign has cooperated with law enforcement since learning that people associated with Biden's team were among the recipients of the emails."We're not aware of any material being sent directly to the campaign; a few individuals were targeted on their personal emails with what looked like a spam or phishing attempt,'

Trump says God saved him, promises to bring back religion in US

World Donald Trump, former US President and Republican candidate for the 2024 presidential race, rejoiced in the adulation of thousands of supporters on Long Island in New York, stated that the recent attempts to kill him were foiled by God.

Addressing the gathering, Trump said, "We're going to bring back religion into our country."Forecasting that he would be the first Republican candidate to win New York State in 40 years, the 78-year-old leader stated that the recent attempts to assassinate him had "hardened my resolve." The Republican presidential nominee told a crowd of 16,000 at Nassau Coliseum that "these encounters with death have not broken my will," just three days after a gunman was discovered hiding in the bushes at Trump's Florida golf course as he was about to putt."They've given me a much greater and stronger mission, only hardening my resolve to use my time on Earth to make America great again for all Americans, to put America first," Trump stated while referring to an earlier assassination attempt at a July 13 rally in western Pennsylvania, where a bullet grazed his ear. "The reason I'm here," Trump told the roaring crowd, was because "we are going to win New York." "That's the first time in many years that a Republican can honestly say it, and we're going to do it," Trump added.Trump, standing before an enthusiastic crowd of thousands in New York, made his case for a 2024 return to the White House with bold promises and an electric atmosphere."We have to do it. We do it, and the election nationwide is over. We will take over the White House, and we fix up our country," Trump declared, eliciting cheers from the throngs of supporters who had come from all over



the state and even nearby regions to see the Republican candidate in person.

The rally, held at a stadium packed to capacity, had all the hallmarks of a Trump event: the red "Make America Great

Again" hats, blaring music, and a palpable sense of spectacle, the New York Post reported. For Trump, the stakes couldn't be higher, and he made sure to emphasise that as he spoke, often pausing to soak in the roaring approval of the crowd."We're going to have the greatest win in history when we pull this one-off. It will be legendary," Trump contemplated, with a trademark grin that signalled confidence. Yet, the former president's tone also carried an undercurrent of urgency. Crime, inflation, and immigration — Trump's usual talking points — were front and centre in his

Sean 'Diddy' Combs to stay behind bars pending trial in sex trafficking case

New York. Rap mogul Sean "Diddy" Combs will remain imprisoned pending trial on racketeering and sex trafficking charges, after a judge denied his appeal Wednesday.Judge Andrew Carter upheld the previous day's ruling that the bail package proposed by his defence team -- which included a \$50 million bond secured by his Miami home -- was insufficient given his history of violence and substance abuse, and the possibility of witness tampering."It did not go our way," Combs's lawyer Marc Agnifilo told journalists outside the federal courthouse in Manhattan following the ruling.He vowed to keep pushing for Combs's release on bail and also said he would urge the trial to move forward "as quickly as possible."

"Wherever he is, his resolve is the same. He believes he's innocent," Agnifilo said, adding that the prison conditions Combs is being held in are "inhumane."

On Tuesday, the 54-year-old Combs was indicted on three criminal counts that allege he sexually abused women and coerced them into drug-fuelled sex parties using threats and violence.

Along with racketeering conspiracy and sex trafficking, Combs is charged with one count of transporting victims across state lines to engage in prostitution. Prosecutors say Combs was the don of a criminal enterprise that ensnared women and forced them to commit sex acts under the threat of violence, financial insecurity and reputational ruin.

Japan firm says production of devices used in Lebanon blasts discontinued in 2014

World. Japanese radio equipment maker Icom Inc stated that it cannot confirm whether the walkietalkies reportedly involved in explosions in Lebanon were shipped by the company. The device, which requires batteries that were discontinued nearly a decade ago, has been out of production since 2014, according to Icom. The company is currently investigating the reports. "Earlier today in worldwide media, there have been reports that two-way radio devices bearing the Icom logo have exploded in Lebanon," the company said in a statement. "We are currently investigaing the facts surrounding this matter. We will release updated information as it becomes available on our website," the Tokyo



Stock Exchange-listed firm added.Images of the exploded walkie-talkies showed labels marked with "ICOM" and "Made in Japan," raising concerns over the origin of the devices involved.In the second wave of explosions on Wednesday, 20 people were killed and more than 450 wounded in Hezbollah-controlled areas of Lebanon, according to local officials.A source close to Hezbollah indicated that the devices used by its members detonated in their stronghold in Beirut, while state media reported similar blasts in the southern and eastern regions of the country, news agency Reuters reported. This came a after hundreds of pager devices used by

Trudeau uses 'bad actors' grounds to further cut international study permits

In its announcement on Wednesday, the Canadian government also said that it would also tighten rules for foreign worker rules in an effort to reduce the number of temporary residents in the country.

World The Canadian government announced a further cut in the number of study permits for international students, with Prime Minister Justin Trudeau saying the nation will crack down on "bad actors" if they "abuse the immigration system and take advantage of students". In its announcement on Wednesday, the government also said that it would also tighten rules for foreign workers in an effort to reduce the number of temporary residents in Canada.

In a tweet, Prime Minister Justin Trudeau said his government would grant 35 per cent fewer international student permits this year, and the number would be reduced by an additional 10 per cent in 2025."Immigration is an advantage for our economy — but when bad actors abuse the system and take advantage of students, we crack

down," he added. As per the government, Canada plans to issue 437,000 study permits in 2025, which is down 10 per cent from the 485,000 permits issued in 2024. This number will remain the same in 2026.In 2023, the nation approved 509,390, and 175,920 in the first seven months of 2024. Earlier in January, the government had announced a cap on the increase of international student numbers for the next two years, leading to a predicted 35 per cent reduction in student intake in

2024 compared to 2023. Addressing the media, Foreign Minister Marc Miller said that "coming to Canada was a privilege, not a right"."The reality is that not everyone who wants to come to Canada will be able to, just like not everyone who wants to stay in Canada will be able to," he



added.Regarding work permits for foreign workers, the Foreign Minister said, "We are taking action to strengthen our temporary residence programs and roll out a more comprehensive immigration plan to meet the demands of today's changing landscape. "The government also plans to implement additional restrictions on work permits for spouses of some international students and foreign workers, as well as heighten checks before issuing travel visas in a bid to curb an increase in fraudulent or rejected asylum claims.

The nation had already said earlier that it would reduce the number of temporary residents to 5 percent of the population, down from 6.8 per cent in April. Wednesday's announcement came two days after the Trudeau-led Liberal Party lost a key seat in a bypoll

in Quebec province and a week before Trudeau is set to face a confidence vote after the opposition Conservatives said it would not back an attempt to defeat his minority government.In recent months, the party has witnessed a drop in public opinion polls as Trudeau is under immense pressure over unchecked immigration, which is straining the nation's housing and social services.Reduction in the number of temporary residents.

Harvey Weinstein pleads not guilty to fresh sex crime charge

Manhattan District Attorney Alvin Bragg said the new indictment of Weinstein is for the sexual assault of a woman in a Manhattan hotel between April 29, 2006 and May 6, 2006.

New York. Disgraced US movie producer Harvey Weinstein pleaded not guilty on Wednesday to a new sex crime charge in New York. Weinstein, 72, who had emergency heart surgery just over a week ago, appeared in a Manhattan courtroom in a wheelchair to enter his plea to a single charge of committing a criminal sexual act. The once-powerful movie mogul was unshaven and appeared pale and visibly

frail during his brief court appearance.Manhattan District Attorney Alvin Bragg said the new indictment of Weinstein is for the sexual assault of a woman in a Manhattan hotel between April 29, 2006 and May 6, 2006."Thanks to this survivor who bravely came forward, Harvey Weinstein now stands indicted for an additional alleged violent sexual assault," Bragg said in a statement. Weinstein is serving a 16-year prison sentence after being convicted on rape

charges in California. He was also convicted in New York in 2020 of the rape and sexual assault of an actress and of forcibly performing oral sex on a production assistant.He was sentenced to 23 years in prison in that case.A New York appeals



court, however, overturned that conviction in April and Weinstein is now awaiting a retrial on those charges. Judge Curtis Farber scheduled a next court hearing for Weinstein for October 2.The one-time Hollywood heavyweight has suffered from a raft of health issues while in prison and has

spent time in a secure hospital unit.On September 9, Weinstein was rushed to Bellevue Hospital from New York's Rikers Island prison for emergency heart surgery. Allegations against Weinstein helped launch the #MeToo movement in 2017, a watershed moment for women fighting sexual misconduct.More than 80 women accused him of harassment, sexual assault or rape, including prominent actors Angelina Jolie, Gwyneth Paltrow and Ashley

Judd. Weinstein claimed any sexual relations in question were consensual. Weinstein and his brother Bob co-founded Miramax Films. Their hits included 1998's "Shakespeare in Love," for which Weinstein shared a best picture Oscar.

NEWS BOX

IND vs BAN: Rohit Sharma, Shubman Gill fail in testing conditions in Chennai

New Delhi India captain Rohit Sharma failed to notch up a big score on Day 1 of the first Test against Bangladesh at MA Chidambaram Stadium in Chennai. The Indian skipper was dismissed for just 6 runs off 19 balls as he edged a delivery from Hasan Mahmud towards second slip where Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto took a comfortable catch. As a result, India lost their first wicket with just 14 runs on the board. Rohit looked precarious at the crease as he played and missed at a few deliveries. The opening batter got off the mark on his 11th ball stealing a single against Taskin Ahmed. Rohit also survived a close lbw call against Mahmud in the fourth over as he was trapped in front of the stumps but umpire Rod Tucker didn't seem interested in the appeal. The ball tracking showed stumps hitting on umpire's call which saved Rohit. However, Mahmud finally managed to get rid of his man in his very next over. Shubman Gill walked in at number three and also looked uneasy at the crease in seaming

India pick three seamers

The youngster was strangled down the leg side for a duck off eight balls as Mahmud got his second dismissal of the day leaving India on 28/2. Earlier, India were asked to bat first by



Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto who became just the second captain to choose to bowl first at the MA Chidambaram Stadium in Chennai.

India went in with three seamers in their playing XI as Akash Deep joined Jasprit Bumrah and Mohammad Siraj. It was the first instance since November 2019 when India went ahead with three seamers in a home Test. The last instance was also against Bangladesh during the historic day/night Test in Kolkata. Bangladesh also went in with three seamers namely Taskin Ahmed, Nahid Rana and Hasan Mahmud.

Back your potential: Rohit Sharma's message to India as 10-Test run starts

New Delhi. India captain Rohit Sharma has told his side to back their potential as the 10-Test run starts with the match against Bangladesh in Chennai on September 19, Thursday. India will be facing Bangladesh and New Zealand in 5 Tests at home before heading to Australia for the 5-match Border Gavaskar Trophy, starting from November. In the Chennai Test, Bangladesh had won the toss and opted to field first. Rohit, at the toss, said that India would have opted to bowl first as well given the challenging conditions on offer in Chennai. The India captain said that the team has prepared well and they would look to play the way they know. Rohit said that each match would be important in the upcoming 10 Tests and they want to focus on what lies ahead of them.

The India captain said that the team felt



confident heading into the match."I would have done that as well (bowl first). Little soft, the pitch. It's going to be challenging conditions. We have prepared well, so we should back our potential and play the way we know. Looking at the 10 Test matches, every match is important. But we want to focus on what lies in front of us. We came here a week back, we had a good prep leading up to this one. We feel confident. Three seamers and two spinners - Bumrah, Akash Deep, Siraj, Ashwin and Jadeja," said Rohit.

Cricket Australia bans Victorian women's coach Dulip Samaraweera for 20 years

←Cricket Australia has banned Dulip Samaraweera, former head coach of the Victorian women's cricket team, for 20 years following an investigation into a coercive relationship with a female player. The decision underscores CA's commitment to player welfare and integrity.

New Delhi Cricket Australia (CA) has imposed a 20-year ban on Dulip Samaraweera, the former head coach of the Victorian women's cricket team, after an investigation revealed a "coercive" relationship between him and a female player. The decision marks a significant moment in Australian cricket as the sport's governing body continues to prioritize player welfare and integrity. Samaraweera, a former Sri Lankan Test cricketer, had resigned from his role in May 2024, only two weeks into a two-year contract. His resignation followed a dispute over a staff



Victoria's internal policies. Before his appointment, Samaraweera had been serving as interim head coach since November 2023 after the departure of Jarrad Loughman. The findings of the investigation

which confirmed that Samaraweera's behavior violated section 2.23 of the organization's code of conduct. While specific details of the misconduct have not been fully disclosed, it was revealed that his

The Indian team was on the ropes

early with Mahmud and Taskin

Ahmed swinging the ball and

having the openers on the ropes.

The star batter was called into

action early on as India lost both

Rohit Sharma and Shubman Gill

early. Kohli started off well with

some good shots, but once again

fell to the ball outside off-stump.

actions were deemed inappropriate and coercive in nature. Cricket Australia emphasized the importance of safeguarding the wellbeing of players, with CEO Nick Cummins of Cricket Victoria commending the victim's resilience."The victim in this case has demonstrated incredible strength of character and courage in speaking up. She will continue to receive our ongoing support to allow her to achieve her goals on and off the field," Cummins said in a statement.

Cricket Australia has reiterated its commitment to fostering a safe and respectful environment for players and staff. "The CA integrity department investigates complaints brought to it under integrity codes and policies, which also apply to state and territory associations," read CA's statement. "We strongly encourage the reporting of inappropriate behaviors, which can be made directly to the CA integrity unit or via the core integrity hotline."

Samaraweera, who played seven Tests and five ODIs for Sri Lanka between 1993 and 1994, will not be eligible to hold any position within Australian cricket for the next two decades. This ban represents one of the harshest penalties handed down in Australian cricket in recent times, as the sport moves to confront misconduct and reinforce a culture of respect.

IND vs BAN: Bangladesh end

day one after they had won the New Delhi Bangladesh ended a 42-year run in Chennai when they decided to field first at the Chepauk after winning the toss in the first Test against India on Thursday, September 19. The visitors only became the second team in the history of Tests in Chennai to have opted field first after winning the toss. Chepauk is always known to be a ground where a team usually wins the toss and opts to bat first. The last time this happened was in 1982 when England and India locked horns at the Chepauk. The visitors had won the toss on the day and they opted to field first. India had scored 481 runs in their first innings on the back of Gundappa Viswanath's 222 and Yashpal Sharma's 140. In response, England were bundled out for 328 runs as Dilip Doshi picked up 4 wickets. India would declare after scoring 160 runs in the second innings as the match ended in a draw.Bangladesh captain Najimul Shanto explained why he wanted to bowl first as there was moisture on the wicket and they wanted to make use of it. Shanto feels that the first session would be one that will be very good

"I'll like to bowl first. There's moisture on the wicket and we want to make use of it. Pitch

42-year toss run in Chennai by fielding first



session will be very good for the seamers, said Shanto.Rohit Sharma would also admit that he would have opted to bowl first had he

"I would have done that as well (bowl first). Little soft, the pitch. It's going to be challenging conditions," said Rohit. India vs Bangladesh: Playing XI

Both teams have decided to go with 3 pacers for the match, something that is usually not seen at the Chepauk. The ground is known to be a spinners' paradise. India have Akash Deep as the extra pacer while Bangladesh have Taskin Ahmed, Hasan Mahmud and Nahid Rana in their ranks.Bangladesh (Playing XI): Shadman Islam, Zakir Hasan, Najmul Hossain Shanto(c), Mominul Haque, Mushfiqur Rahim, Shakib Al Hasan, Litton Das(w), Mehidy Hasan Miraz, Taskin Ahmed, Hasan Mahmud, Nahid Rana

IND vs BAN: Virat Kohli fails on India Test return, out for 6 in Chennai

India vs Bangladesh, Chennai Test: Virat Kohli's return to the India Test side is off to the worst possible start as he was dismissed for just 6 runs in the first innings of the Chennai Test.

New Delhi Virat Kohli's return to the Indian Test team hasn't had the best of starts as the star batter was dismissed for just 6 runs against Bangladesh during the first innings of the Chennai Test. Kohli was dismissed by the impressive Hasan Mahmud, who had wreaked havoc during the first session on day one of the first Test on Thursday, September 19.Kohli, who had missed the England Test series due to the birth of his son, was expected to be one of the key



players for India during the upcoming 10 Tests against Bangladesh, New Zealand and Australia. He had joined the Indian camp before the first Test a week ago and looked to be in fine touch during the nets sessions. However, Bangladesh were truly on top on

He would get a nick while attempting a cover drive that went straight to the hands of wicketkeeper Litton Das.This was the first time in 42 years that a team had

opted to field first after winning the toss in Chennai and the decision seems to have worked out well for the visitors till now. India currently have Yashasvi Jaiswal and

Bangladesh not underdogs: R Ashwin reckons Chennai pitch perfect for Test cricket

■ India vs Bangladesh: Ace spinner R Ashwin reckons that Bangladesh cannot be considered underdogs after their historic series win in Pakistan. Ashwin also shared his memories of playing Test cricket in his hometown, Chennai.

New Delhi Star Indian spinner Ravichandran Ashwin shared his fond memories and excitement of playing in his hometown, Chennai, ahead of the first Test against Bangladesh at the MA Chidambaram Stadium. With four Tests already under his belt at his home ground, Ashwin expressed his emotional connection with the venue, particularly recalling the unforgettable encounter against England post the Covid-

"That game against England was special," Ashwin told the official broadcasters, Sports 18. . "It was the first time the crowd was back, and the reception I received was beyond my expectations. To have the match turn out the way it did for me was truly special. Chennai has always been a significant ground for me, filled with incredible memories, both old and new."

shwin, who has established himself as crucial player for India in Test cricket, emphasized the hard work and dedication it takes to maintain peak performance, particularly with age. "Cricket is a game I adore, and I've enjoyed every moment on



the field. Age is just a number, but the work you put in over the years takes its toll. You need to work harder to find that edge," he said.Reflecting on past matches at the MA Chidambaram Stadium, Ashwin noted the balance the pitch offers to both batters and bowlers. "It's always been a good Test match pitch. Most games here, barring one against England, have seen huge scores.

The game against Australia felt like 500 versus 500. We're playing on a red soil pitch again, so there'll be bounce and value for the bowlers."As India take on resurgent Bangladesh in the Chennai Test, Ashwin praised their opponents for their recent form, including a historic 2–0 series win against Pakistan. "Bangladesh have proven they are a team on the rise. They challenged us when we played them in Bangladesh, and

their recent win over Pakistan was exceptional. I've always loved seeing underdogs perform, but you can't call Bangladesh underdogs anymore,' Ashwin said.On Thursday, Bangladesh skipper Najmul Shanto won the toss and opted to bowl first, looking to exploit India's vulnerability against spin. India's stalwarts, including Virat Kohli, Rohit Sharma, and KL Rahul, have seen their averages against spin dip since 2021, giving Bangladesh's spin trio of Shakib Al Hasan, Taijul

Islam, and Mehidy Hasan Miraz a potential

Despite India's formidable home record of 40-4 in the last decade, Ashwin acknowledged that Bangladesh are a dangerous side. Bangladesh recently trounced Pakistan in a 2-0 Test series, while India come into the series after a 0-2 defeat to Sri Lanka in the

Coco Gauff parts ways with coach Brad Gilbert after early US Open exit

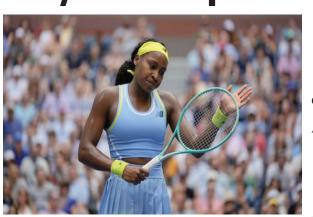
Coco Gauff has parted ways with her coach Brad Gilbert following her early exit from the US Open 2024 following a loss against Emma Navarro.

New Delhi Coco Gauff has parted ways with her coach Brad Gilbert following her early exit from the US Open 2024. Notably, the 20- Gilbert also thanked the world number six year-old failed to defend her title at the Flushing Meadows as she got knocked out of

the tournament in the Round of 16 following a loss against compatriot Emma Navarro.

Gilbert became a part of Gauff's team 14 months prior and became her coach 10 months ago. The former American player has worked with several big names in the Tennis world in his illustrious coaching career namely Andy Murray, Andre Agassi and Andy Roddick.Gauff took to her X account to thank Gilbert for his contribution and wished him well for his future endeavours." Thank you @bgtennisnation! We had an incredible run and I wish you all the best in the future!," Gauff posted on X.

player and her entire team for their collective effort and prophesied a bright future for



young star. "Thanks to @CocoGauff and the entire team for an absolutely amazing summer run in 2023 and for 14 months of incredible team effort. Coco, at just 20 years young, your future is incredibly bright, and I wish you nothing but continued success ahead. I'm excited for the next chapter in my Coaching career," wrote Gilbert on his X account.

Gauff's results under Gilber's

After having Gilbert onboard along with her primary coach Pere Riba, Gauff enjoyed great success as she won the Citi Open, Cincinnati Open and the US Open. However, Riba and Gauff split shortly after, which left Gilbert alone in charge of Gauff.

Under Gilbert's tenure, the former US Open Champion failed to continue her successful run facing early exits in Paris Olympics, National Bank Ópen in Toronto, Cincinnati Open and the US Open.



Call Me Bae Gets Renewed For Season 2, Actress Says 'Here We Come'

nanya Panday recently made her OTT debut with Prime Video's Call Me Bae. The actress received Limmense love for playing Bella, who loses her fortune and has to build a new life for herself. The series also features Gurfateh Pirzada, Varun Sood, Niharika Lyra Dutt, Vihaan Samat, Muskan Jaaferi, Lisa Mishra and Vir Das in key roles. Call Me Bae has now been renewed for a second season. Ananya Panday dropped the announcement video on Instagram recently. The caption read, "Our day couldn't get any bae-tter Bella is coming to swoon us over again with a new season #CallMeBaeOnPrime, S2 in development." Check out the video here:

Call Me Bae caught everyone's attention for its Bollywood references. Ahead of Ananya Panday's Call Me Bae, Karan Johar called her character 'Poo's daughter' and called her a Gen Z version of the character. However,



Ananya claims that she did not try to touch Poo due to her legacy. Ananya Panday told Instant Bollywood, 'I don't think we are trying at all to touch or even come close to what Bebo (Kareena Kapoor) did because she is the literal icon and the queen. What she did was just a legacy. What she did was extraordinary. This is our homage to her. If Bae can be even one per cent as lovable as Poo, then I think we all will be happy."For the unversed, Karan Johar called Bae a "glorious Gen Z 2.0 derivative" of Poo. He said, "If Rohan and Pooja now would have had to have had a baby girl, she would be Bae. I'm just talking because she really is a glorious Gen Z 2.0 derivative of Poo. It's like where Poo ends, Bae takes off." That's the best way that I can

describe her because even when you saw the character of Poo, it started with all the fun and games and then, she contributes to the emotional gravitas of the ongoings in Kabhi Khushi Kabhie Gham," Karan Johar had said at the show's trailer launch.Call Me Bae follows Ananya as a South Delhi girl who, after losing everything, relocates to Mumbai and starts anew as a journalist. The series chronicles her journey through the journalism world while maintaining her distinct style. The cast includes Vihaan Samat, Varun Sood, Gurfateh Pirzada, Muskkaan Jaferi, and Niharika Dutt. Produced by Karan Johar's Dharmatic Entertainment, the show offers a fresh narrative while paying respect to past cinematic icons.

Kareena Kapoor Reveals She Controls Screen Time for Taimur,

Jeh: 'They Ask Us Why We're On Phone...

Kareena Kapoor has reached a milestone of 25 years in Bollywood. Her latest film, The Buckingham Murders, is out now. To celebrate, PVR Cinemas is holding a film festival in her honour. At the Special Event and Announcement for the same, Kareena Kapoor spoke at length about her films. I always wanted to play a detective and now I have done that. I have to think of what else I have to do. So, I've never really thought of this is a particular genre. I look at characters as something that I would enjoy playing. Because, you have to spend, you know, 50, 60, 70 days with that character in you. So, you have to really enjoy doing it. That's the most important thing, I think, for an actor. To enjoy playing that part. Otherwise, how will you be able to spend so much time being that particular person?

When reminded that Kareena Kapoor had once spoken to News18 about how her older son Taimur had really enjoyed watching Bhool Bhoolaiya with his dad Saif Ali Khan, Kareena put up a big smile. On being asked if there is any film of hers that Taimur has watched, she said, "I guess maybe I should get them to watch something at the festival, I think. Because it's playing.'

On being asked if she regulates screen timings for Taimur and



Jeh, Kareena said she has to do it – there's no option. "Monday to Friday, screen time is, like, no! But then he's always like, 'But then why are you watching TV?' 'Why are you on your phone?' These days, the parents also have to do what they want their kids to do. So, when we are wanting to put them to bed, then we are also reading and not watching TV till they go to sleep. Because I guess they learn from example - there's no other way. They're going to see us on the phone or on the screen. They'll want to do that." Meanwhile, Kareena is currently seen in The Buckingham Murders. With a lot of love and appreciation from both the audience and critics alike, the film continues to prove its strong presence, and raked in ?8.82 Cr. NBOC, which is indeed a good number for a genre like mystery thriller.

Rakhi Sawant Recalls Selling Her House For Pardesiya Music Video **And Receiving Praise From SRK**



From her humble beginnings to being one of the leading entertainers, Rakhi Sawant overcame a number of difficulties and established herself in the industry. While she started with a couple of music videos, Rakhi eventually made her way into Bollywood, working in films like Agnichakra, Kurukshetra, Joru Ka Ghulam, Jis Desh Mein Ganga Rehta Hain, Main Hoon Na, Shootout at Lokhandwala, Dil Bole Hadippa, and many others. Talking about her music videos, the actress' Pardesiya song remains a top choice among fans. However, not many know that Rakhi Sawant had to sell her house to fund the video. Rakhi's former director and longtime friend, Farah Khan, recently visited the actor's Dubai home, where the duo made several interesting revelations. During their conversation, Farah also recalled when Rakhi sold her house for the music video.

As the duo got themselves into cooking a daal recipe, Farah said, "Rakhi, do you remember when you told me about making a music video by selling your own house?" further stating that she had advised against it. "Maine bola tha, tu pagal hai kya, tu apne paise kyu laga rahi hai? (I called you mad for investing your own money in the project.) But look at the conviction of this girl, she sold her home and made Pardesiya, the music video that became a super hit."

Rakhi also spoke about receiving praise from Shah Rukh Khan for her video and said, "Shah Rukh Ji also said that I released a very good music video," to which Farah quipped, "And after that, Rakhi Sawant became Rakhi Sawant."For those unaware, the song Pardesiya came out in 2004, marking the actress's debut music video. It became a big hit, turning into an overnight sensation and a party favourite. Besides working in music videos and films, Rakhi Sawant also became a prominent figure on television and took part in several shows like Bigg Boss and Nach

Diljit Dosanjh, Neeru Bajwa's Jatt & Juliet 3 Releases On **OTT:** Here's When And Where To Watch Film



Diljit Dosanjh and Neeru Bajwa reunited for yet another Jatt & Juliet film, Jatt & Juliet 3. The new Jatt & Juliet film came out earlier this year, 12 years after Jatt & Juliet 2 was released. The film brought back Diljit and Neeru as Punjab's beloved police officers, and this time around, Jasmin Bajwa was in the mix. A few months after its theatrical release, the film will not be out on OTT.Jatt & Juliet 3 is about a police officer named Fateh Singh from Punjab who lands in Canada and falls in love with Pooia, who is also a police officer there. The film revolves around a series of hilarious unfortunate events which eventually result in Fateh and Pooja falling in love. The film will be available to stream on Chaupal from tomorrow, September 19.

Jatt & Juliet 3 was written and directed by Jagdeep Sidhu. At the press conference for the film's trailer launch in Mumbai earlier this year, Diljit revealed he almost rejected the film."When Jatt & Juliet 1 was being made, Darshan Singh Grewal — the producer of Jatt & Juliet. We had problems with each other. So when the movie offer came to me, I wanted to go and reject the film in person. I had gone to his office to refuse the offer because of our history. When I reached his office, he signed a blank cheque in filmy style and told me, 'Paaji, fill the amount, I want to do a film with you. 'I didn't foresee this," Diljit Dosanjh confessed. Meanwhile, Diljit Dosanjh has received a legal notice from a fan, who was left disheartened after she failed to get a ticket for the singer's upcoming India tour. As reported by Free Press Journal, the fan identifies herself as Riddhima Kapoor and is a law student based in Delhi. Reportedly, in her legal notice, she alleged malpractices in the ticket sales process and accused the organisers of the Dil-Luminati Tour of violating consumer rights. Besides Diljit, the legal notice has also been sent to Zomato, HDFC Bank and Saregama Pvt Ltd. However, they are yet to respond to the notice. Diljit Dosanjh's Dil-Luminati Tour will be an epic 10-city celebration. It will kick off at the iconic Jawaharlal Nehru Stadium in Delhi on October 26, 2024. Following Delhi, the tour will make its way to Hyderabad, Ahmedabad, Lucknow, Pune, Kolkata, Bangalore, Indore, Chandigarh, and Guwahati.